RNI N.- BIHBIL/2022/88070
राष्ट्रीय द्विभाषिक सामाचार पत्र
www. bordernewsmirror.com

# बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

पटना, वर्षः 7 , अंकः 98 , शुक्रवार, 22 मई 2026 मूल्यः 5:00, पृष्ठः8 ☎ 9471060219, 9470050309 www.bordernewsmirror@gmail.com

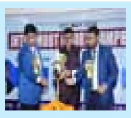
एसएनएस विद्यापीठ लॉ कॉलेज में भव्य विधिक सहायता केंद्र की स्थापना एवं प्रथम इंट्रा मूट ... 03

रासपुर पतासिया पूरब पैक्स चुनाव को लेकर सरगर्मी तेज 04

खुद की काबिलियत पर भरोसा करें महिलाएं, मेहनत से मिलती... 07

संक्षिप्त समाचार

## तमिलनाडु में कांग्रेस विधायक ने शपथ में राहुल जिंदाबाद कहा

- गवर्नर ने टोका, बोले-ये शपथ का हिस्सा नहीं, विजय कैबिनेट में 23 मंत्री शामिल

**चेन्नई (एजेंसी)।** तमिलनाडु में विजय सरकार के मंत्रिमंडल विस्तार में गुरुवार को फिर विवाद हो गया। कांग्रेसी विधायक राजेश कुमार ने शपथ के दौरान 'कामराज अमर रहें', 'राजीव गांधी अमर रहें' और 'जननायक राहुल गांधी जिंदाबाद' कहा। इस पर गवर्नर राजेंद्र विश्वनाथ अर्लेकर ने टोक दिया। गवर्नर ने कहा– ये आपकी शपथ का हिस्सा नहीं है। वहीं, दूसरा विवाद तमिल गीत बजाने को लेकर भी हुआ। समारोह में तमिलनाडु का राज्य गीत 'तमिल थाई वाझ्थु' सबसे आखिर में बजाया गया। पिछली सरकारों में ये हमेशा पहले बजाया जाता था। तमिलनाडु में सीएम विजय की कैबिनेट का विस्तार हुआ, जिसमें 23 विधायकों ने मंत्री पद की शपथ ली। इनमें दो कांग्रेस के विधायक भी शामिल हैं। **कांग्रेसी विधायक राजेश कुमार ने लगाए नारे–** किलियूर विधानसभा सीट से कांग्रेस विधायक दल के नेता एस राजेश कुमार ने शपथ मंत्री पद की शपथ ली। उन्होंने 'कामराज अमर रहें', 'भारत रत्न राजीव गांधी अमर रहें' और 'जननायक राहुल गांधी जिंदाबाद' के नारे लगाए। इस पर राज्यपाल ने मुस्कुराते हुए कहा, 'यह शपथ नहीं है।'

ईरान जंग पर ट्रम्प-नेतन्याहू में टकराव

## अब अमेरिका डील चाहता है इजराइल का युद्ध से किनारा

**ट्रम्प बोले– ईरान की नेवी और एयरफोर्स खत्म–** यूएस कोस्टगार्ड एकेडमी में ट्रम्प ने दावा किया कि ईरान की नौसेना और वायुसेना लगभग खत्म हो चुकी है। उन्होंने कहा कि अब सवाल सिर्फ यह है कि अमेरिका आगे पूरी कार्रवाई करेगा या ईरान समझौता करेगा। आईआरजीसी ने दावा किया कि पिछले 24 घंटे में 26 जहाज ईरानी मंजूरी के बाद होर्मुज स्ट्रेट से गुजरे। इनमें तेल टैंकर और कॉमर्शियल जहाज शामिल थे। होर्मुज स्ट्रेट को बायपास करने वाली नई तेल पाइपलाइन का काम पूरा हो चुका है।

**तेहरान/वॉशिंगटन (एजेंसी)।** ईरान युद्ध को लेकर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प और इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के बीच मतभेद खुलकर सामने आ गए हैं। सीएनएन की रिपोर्ट के मुताबिक, नेतन्याहू चाहते हैं कि ईरान पर हमले जारी रहें, जबकि ट्रम्प फिलहाल बातचीत और डील को मौका देना चाहते हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, मंगलवार को दोनों नेताओं के बीच करीब एक घंटे तक फोन पर बातचीत हुई। अमेरिकी अधिकारी ने बताया कि नेतन्याहू ने ट्रम्प से कहा कि ईरान पर प्रस्तावित हमले रोकना गलती है और सैन्य कार्रवाई जारी रहनी चाहिए। सीएनएन के मुताबिक, ट्रम्प ने रविवार को नेतन्याहू को बताया था कि अमेरिका ईरान पर नए टारगेटेड हमले की तैयारी कर रहा है।

- कैलाश मानसरोवर यात्रा के लिए ड्रा से 1000 का यात्रियों चयन

# आस्था का सबसे बड़ा सफर शुरू होने को तैयार

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** आस्था, रोमांच और हिमालयी सफर का इंतजार अब शुरू हो गया है। कैलाश मानसरोवर यात्रा 2026 के लिए 1000 श्रद्धालुओं का चयन कंप्यूटर ड्रॉ से किया गया है, जहां इस बार यात्रा पहले से ज्यादा आसान और मोटरेबल रूट के जरिए पूरी होगी।

विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने बुधवार को कैलाश मानसरोवर यात्रा 2026 के लिए यात्रियों के चयन हेतु कंप्यूटरीकृत ड्रॉ प्रक्रिया पूरी की। इस दौरान कुल 1000 श्रद्धालुओं का चयन किया गया, जिन्हें निष्पक्ष, रैंडम और जेंडर-बैलेंस्ड प्रक्रिया के जरिए चुना गया है। सरकार ने कहा कि चयन पूरी तरह कंप्यूटर जनित प्रक्रिया से हुआ, जिससे पारदर्शिता सुनिश्चित की गई। कैलाश मानसरोवर यात्रा 2026 जून महीने में शुरू होगी और अगस्त तक चलेगी।

Kailash
Manasarovar
Yatra

इस बार यात्रा के लिए कुल 20 बैच बनाए गए हैं, जिनमें प्रत्येक बैच में 50 यात्री शामिल होंगे। यात्रियों को लिपुलेख दर्रे और नाथू ला दर्रे के जरिए यात्रा कराई जाएगी। दोनों रूट अब पूरी तरह मोटरेबल हो चुके हैं, जिससे यात्रियों को पहले की तुलना में काफी कम पैदल चलना पड़ेगा।

### लिपुलेख और नाथू ला रूट से होगी यात्रा

विदेश मंत्रालय के अनुसार, यात्रियों के लिए दोनों मार्गों पर सुविधाएं बेहतर की गई हैं। सड़क संपर्क मजबूत होने के कारण यात्रा अब ज्यादा सुरक्षित और आरामदायक मानी जा रही है। मंत्रालय ने बताया कि अलग-अलग बैचों और रूट से जुड़ी विस्तृत जानकारी आधिकारिक यात्रा वेबसाइट पर उपलब्ध करा दी गई है, ताकि चयनित यात्री अपनी यात्रा की तैयारी समय रहते कर सकें। कैलाश मानसरोवर यात्रा हिंदू, बौद्ध और जैन धर्म के श्रद्धालुओं के लिए बेहद पवित्र मानी जाती है। भगवान शिव के निवास स्थल माने जाने वाले कैलाश पर्वत और मानसरोवर झील के दर्शन के लिए हर साल बड़ी संख्या में श्रद्धालु आवेदन करते हैं। कोविड महामारी और सीमा संबंधी परिस्थितियों के बाद अब यात्रा के सुचारु संचालन को लेकर श्रद्धालुओं में खास उत्साह देखा जा रहा है।

## एअर इंडिया की दिल्ली-बेंगलुरु फ्लाइट रनवे से जाकर टकराई

- लैंडिंग के दौरान हादसा, पीछे के निचले हिस्से में स्क्रेच आया; यात्री और क्रू मेंबर्स सुरक्षित

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** एअर इंडिया की दिल्ली से बेंगलुरु जा रही फ्लाइट एआई 2651 गुरुवार को लैंडिंग के दौरान रनवे से टकरा गई। फ्लाइट के पीछे का हिस्सा जमीन से टच हो गया। घटना को एविएशन भाषा में 'टेल स्ट्राइक' कहा जाता है। फ्लाइट की तस्वीरें सोशल मीडिया पर सामने आई हैं, जिसमें उसके निचले हिस्से पर स्क्रैच दिख रहा है। फ्लाइट को सुरक्षित तरीके से उतार लिया गया। घटना में किसी यात्री या क्रू सदस्य के घायल होने की सूचना नहीं है। सभी को बाहर निकाल लिया गया है। घटना के बाद विमान को जांच के लिए ग्राउंड कर दिया गया है। एयरलाइन और एयरपोर्ट अधिकारियों ने सुरक्षा जांच शुरू कर दी है। नागरिक उड्डयन नियामक को भी घटना की जानकारी दी गई है। बेंगलुरु से दिल्ली जाने वाली वापसी फ्लाइट एआई 2652 रद्द कर दी गई है। एयरलाइन ने प्रभावित यात्रियों के लिए वैकल्पिक व्यवस्था करने की बात कही है।

# नीट पेपर लीक केस में लातूर से डॉक्टर गिरफ्तार

बेटे के लिए गेस पेपर खरीदा था, अब सीबीआई के शिकंजे में

**मुख्य आरोपी 'एम सर' स्कूल और कॉलेज खोलने वाला था**

**लातूर (एजेंसी)।** नीट पेपर लीक में सीबीआई ने महाराष्ट्र के लातूर से एक डॉक्टर को गिरफ्तार किया है। आरोप है कि डॉ मनोज शिरुरे ने बेटे के लिए सीबीआई कोचिंग के संचालक और आरोपी शिवराज मोटेगांवकर उर्फ 'एम सर' से गेस पेपर खरीदे थे। सीबीआई ने बुधवार को पुणे में पूछताछ के बाद अरेस्ट कर लिया। जानकारी आज सामने आई है। इस मामले में किसी पेरेंट्स की यह पहली गिरफ्तारी है। नीट पेपर लीक में यह 11वीं गिरफ्तारी है। इससे पहले महाराष्ट्र से 6, राजस्थान से 3 और हरियाणा से एक व्यक्ति को अरेस्ट किया। इनमें 2 महिलाएं भी हैं। उधर, इस मामले में लगातार नए खुलासे भी हो रहे हैं। सीबीआई जांच में पता चला है कि शिवराज लातूर में 8 एकड़ जमीन पर स्कूल-कॉलेज खोलने की तैयारी में था। शिवराज लातूर के खोपेगांव शिवार में 8 एकड़ जमीन पर स्कूल-कॉलेज खोलने की तैयारी में था।

# इबोला को लेकर भारत में हाई अलर्ट!

- स्वास्थ्य मंत्रालय ने लागू किए सख्त स्क्रीनिंग नियम
- एयरपोर्ट पर ही विदेशों से आने वालों की होगी जांच

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** अफ्रीकी देशों में फैल रहे इबोला वायरस के प्रकोप को देखते हुए भारत सरकार पूरी तरह सतर्क हो गई है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के तहत आने वाले महानिदेशालय स्वास्थ्य सेवा ने विदेशों, विशेषकर इबोला प्रभावित देशों जैसे कांगो, युगांडा और दक्षिण सूडान से आने वाले यात्रियों के लिए एयरपोर्ट्स पर सख्त स्क्रीनिंग और निगरानी नियम लागू कर दिए हैं। हालांकि स्वास्थ्य मंत्रालय ने स्पष्ट किया है कि भारत में अब तक इबोला का एक भी मामला सामने नहीं आया है, और यह कदम केवल एहतियात के तौर पर उठाया गया है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने एयरपोर्ट, पोर्ट और देश के सभी एंट्री पॉइंट्स पर स्क्रीनिंग प्रोटोकॉल जारी किए हैं। यह कदम उन यात्रियों के लिए उठाया गया है जो हाई-रिस्क देशों से भारत आ रहे हैं या वहां से ट्रांजिट होकर आ रहे हैं। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने खास तौर पर डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो, युगांडा और साउथ सूडान से आने वाले यात्रियों के लिए एडवाइजरी जारी की है। इन देशों से आने या वहां से होकर यात्रा करने वाले लोगों को अगर बुखार, कमजोरी, थकान, सिरदर्द जैसे लक्षण महसूस हों,तो उन्हें इमिग्रेशन चेक से पहले रिपोर्ट करने को कहा।

- **राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को दिए गए निर्देश–** स्वास्थ्य सचिव पुण्य सलिला श्रीवास्तव की अध्यक्षता में हुई उच्चस्तरीय बैठक में राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को हर स्तर पर तैयार रहने के निर्देश दिए गए। इसमें प्री-अराइवल और पोस्ट-अराइवल स्क्रीनिंग, क्वारंटाइन प्रोटोकॉल, मरीजों के इलाज, रेफरल सिस्टम और लैब टेस्टिंग से जुड़े स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर साझा किए गए। साथ ही निगरानी व्यवस्था, समय पर रिपोर्टिंग और तय स्वास्थ्य सुविधाओं की तैयारी पर जोर दिया गया।

# पीओके में आतंकी हमजा बुरहान की गोली मारकर हत्या

- पुलवामा हमले का मास्टरमाइंड था, आतंकी जाकिर मूसा-बुरहान वानी का करीबी था

**इस्लामाबाद (एजेंसी)।** पुलवामा आतंकी हमले में शामिल आतंकी हमजा बुरहान की पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में गोली मारकर हत्या कर दी गई। मुजफ्फराबाद के पीओके कॉलेज के बाहर अज्ञात हमलावरों ने उस पर कई गोलियां चलाईं, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। भारत ने 2022 में हमजा बुरहान को यूएपीए के तहत आतंकी घोषित किया था। वह अबू दुजाना, अबू कासिम, बुरहान वानी और जाकिर मूसा का करीबी था। उसे 2019 के पुलवामा आतंकी हमले के मास्टरमाइंड्स में से एक माना जाता था, इस हमले में 40 जवान शहीद हुए थे।

**भारत से पाकिस्तान गया, फिर आतंकी संगठन से जुड़ा–** सरकार के मुताबिक, अर्जुमंद गुलजार डार उर्फ हमजा बुरहान उर्फ डॉक्टर पुलवामा के रत्नीपोरा इलाके का रहने वाला था। 23 साल का हमजा, आतंकी संगठन अल बद्र से जुड़ा हुआ था। अल बद्र को सरकार ने आतंकवादी संगठन घोषित किया हुआ है। वह कानूनी तरीके से पाकिस्तान गया था। वहां जाकर वह अल बद्र में शामिल हो गया और बाद में संगठन का सक्रिय आतंकी और कमांडर बन गया। अभी वह पाकिस्तान से ही काम कर रहा था। उस पर आरोप है कि वह युवाओं को अल बद्र में शामिल होने के लिए उकसाता था और फंडिंग भी करता था। जांच एजेंसियों के अनुसार 2020 में ग्रेनेड हमले में यह शामिल था।

### बुरहान वानी का करीबी था हमजा

रिपोर्ट्स के मुताबिक, हमजा बुरहान लंबे समय से पाकिस्तान और पीओके में सक्रिय था। बुरहान मुजफ्फराबाद के पीओके कॉलेज के बाहर मारा गया। वह अबू दुजाना, अबू कासिम, बुरहान वानी और जाकिर मूसा का करीबी सहयोगी था। बुरहान वानी 8 जुलाई 2016 को जम्मू-कश्मीर में सुरक्षाबलों के साथ मुठभेड़ में मारा गया था। उसकी मौत के बाद कश्मीर में लंबे समय तक हिंसा और विरोध प्रदर्शन हुए थे। बुरहान वानी की मौत के बाद जाकिर मूसा हिजबुल का कमांडर बना था। वह 23 मई 2019 को पुलवामा जिले के त्राल इलाके में सुरक्षाबलों के ऑपरेशन में मारा गया था। यह आतंकी खतरनाक है।

- **पुलवामा अटैक में 40 सीआरपीएफ जवान शहीद हुए थे–** 14 फरवरी 2019 को जम्मू-कश्मीर के पुलवामा में सीआरपीएफ के काफिले पर आत्मघाती आतंकी हमला हुआ था। श्रीनगर-जम्मू हाईवे पर लेथपोरा इलाके में जैश-ए-मोहम्मद के आतंकी आदिल अहमद डार ने विस्फोटकों से भरी बसों से टकरा दी थी। धमाका इतना जबरदस्त था कि दो बसों के परखच्चे उड़ गए और 40 जवान शहीद हो गए। जांच में सामने आया कि हमले से पहले सुरक्षा एजेंसियों को कई इंटेलीजेंस इनपुट मिले थे, लेकिन आतंकी साजिश को रोका नहीं जा सका। बाद में एनआईए ने अपनी चार्जशीट में जैश और उसके सरगना मसूद अजहर को हमले का मास्टरमाइंड बताया था।

# 600 करोड़ की जमीन, 500 झुग्गियां और ईद का त्योहार

- मुंबई में बुलडोजर ऐक्शन के दौरान जमकर भड़की हिंसा

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** बॉम्बे हाई कोर्ट द्वारा हरी झंडी के बाद मुंबई के बांद्रा रेलवे स्टेशन के पास गरीब नगर में पश्चिमी रेलवे द्वारा अब तक का सबसे बड़ा अतिक्रमण विरोधी अभियान शुरू किया है। मंगलवार को शुरू हुआ यह अतिक्रमण विरोधथी अभियान बुधवार को हिंसा के बीच भी जारी रहा। अतिक्रमण हटाने का अभियान भारी सुरक्षा तैनाती के साथ शुरू हुआ है। अधिकारियों ने इलाके में लगभग 400 पुलिसकर्मी, 400 जीआरपी और आरपीएफ कर्मी और लगभग 200 रेलवे अधिकारी और कर्मचारी तैनात किए हैं। कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए, गरीब नगर में प्रवेश करने वाले कई रास्तों को सील कर दिया गया। अतिक्रमण हटाने के दूसरे दिन यानी बुधवार को भारी हिंसा भड़क उठी। बांद्रा ईस्ट स्काईवॉक के पास एक अवैध धार्मिक स्थल को गिराए जाने के दौरान प्रदर्शनकारियों ने पथराव किया, जिसके जवाब में पुलिस को लाठीचार्ज किया। इस झड़प में 7 पुलिसकर्मियों सहित 13 लोग घायल हुए हैं। पुलिस ने बताया कि प्रदर्शनकारियों ने विध्वंस दल पर पत्थर, बर्तन और अन्य वस्तुएं फेंकीं, जिसके बाद लाठीचार्ज किया गया। इस घटना में सात पुलिसकर्मी और छह प्रदर्शनकारी घायल हो गए, जबकि 10 लोगों को हिरासत में लिया गया। दंगा और सरकारी अधिकारियों पर हमले के आरोप में एफआईआर दर्ज की गई। अतिरिक्त पुलिस आयुक्त अभिनव देशमुख ने हिंसा में शामिल लोगों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की चेतावनी दी है।

**600 करोड़ रुपए जमीन की अनुमानित लागत–** रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण 5,200 वर्ग मीटर रेलवे भूमि को खाली कराने के उद्देश्य से यह अभियान चलाया जा रहा है। इस जमीन की अनुमानित कीमत लगभग 600 करोड़ रुपये है। रेलवे अधिकारियों के अनुसार, यह अतिक्रमण रेलवे अवसंरचना के खतरनाक रूप से करीब तक फैल गई है, जिसमें हार्बर लाइन की पटरियां और ओवरहेड इलेक्ट्रिक इक्विपमेंट (ओएचई) के खंभे शामिल हैं। रिपोर्ट के अनुसार, कई बहुमंजिला झुग्गी-झोपड़ी संरचनाएं पास के पैदल पुलों की ऊंचाई से भी ऊपर उठ गई हैं, जिससे ट्रेन संचालन और भविष्य में रेलवे विस्तार के लिए सुरक्षा संबंधी चिंताएं बढ़ गई हैं। रेलवे अधिकारियों के अनुसार, यह विध्वंस कार्रवाई सार्वजनिक परिसर अधिनियम के तहत 2017 से पहले शुरू हुई कानूनी प्रक्रिया और 27 नवंबर 2017 को जारी बेदखली आदेशों के आधार पर की गई है।

### रेलवे विस्तार-ईद की तैयारियों के बीच कार्रवाई

पश्चिमी रेलवे अतिक्रमण हटाने के बाद बांद्रा स्टेशन के आसपास रेलवे के बुनियादी ढांचे के व्यापक विस्तार करेगा। अधिकारियों ने बताया कि बांद्रा स्टेशन के आसपास की भूमि रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण है क्योंकि यह रेलवे कॉरिडोर और पास के बांद्रा-कुर्ला कॉम्प्लेक्स व्यापारिक जिले के निकट है। कई निवासियों ने दावा किया कि वे दशकों से गरीब नगर में रह रहे हैं और उनके पास मकान कर के कागजात, पानी के कर की रसीदें और बीएमसी द्वारा जारी किए गए अधिकृत बिजली कनेक्शन जैसे नागरिक दस्तावेज हैं। कई निवासी इस बात को लेकर नाराज हैं कि यह तोड़फोड़ की कार्रवाई 27 मई को ईद समारोह से कुछ दिन पहले हुई। स्थानीय लोगों ने कहा कि जब यह कार्रवाई शुरू हुई तब त्योहार की तैयारियां चल रही थीं। बीएमसी ने मौका मिलते ही ढहा दिया।

## 13 साल की बच्ची की 42 वर्षीय युवक से शादी

- पोते की शादी के लिए कर दिया खुद की पोती का सौदा
- दादा-दादी और दूल्हे सहित 13 पर दर्ज की एफआईआर

**इंदौर (एजेंसी)।** इंदौर के रंगवासा क्षेत्र से बाल विवाह का मामला सामने आया है। यहां पारिवारिक रिश्तों के ताने-बाने और सामाजिक दबाव के चलते एक 13 साल की बच्ची की शादी जबरन 42 साल के युवक से करा दी गई। राऊ पुलिस ने बुधवार को दूल्हे, उसके परिजन और बच्ची के दादा-दादी सहित कुल 13 लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। महिला एवं बाल विकास विभाग के जिला कार्यक्रम अधिकारी रजनीश सिन्हा ने बताया कि यह पूरा मामला एक शर्त और पारिवारिक दबाव के कारण हुआ। रंगवासा निवासी बुजुर्ग दादा को अपने 19 साल के पोते के लिए बहू लाना थी। पोते की पत्नी (यानी बच्ची की भाभी) ने शर्त रखी थी कि वह इस घर में शादी तभी करेगी, जब उसकी ननद (बच्ची) की शादी उसके सगे चाचा (42 वर्षीय युवक) से कराई जाएगी।

## संक्षिप्त समाचार

### महादलित बस्ती की सड़क मांग पर प्रशासन एक्टिव, डीएम के निर्देश पर जांच शुरू

**हाजीपुर**। वैशाली जिले के हाजीपुर स्थित एक महादलित बस्ती में सड़क निर्माण की वर्षों पुरानी मांग पर जिला प्रशासन ने त्वरित कार्रवाई शुरू कर दी है। एक सहयोग शिविर में प्राप्त आवेदन के बाद यह पहल की गई है। वैशाली की जिलाधिकारी वर्षा सिंह के निर्देश पर सड़क निर्माण की मांग की जांच के लिए एक समिति का गठन किया गया है। इस समिति का नेतृत्व अपर समाहर्ता (ADM) कर रहे हैं, जिसमें एसडीएम, डीएसपी और हाजीपुर के प्रखंड अंचलाधिकारी भी शामिल हैं। जांच समिति ने आज मौके पर पहुंचकर स्थल निरीक्षण किया। समिति के सदस्यों ने मीडिया को बताया कि सहयोग शिविर में सड़क निर्माण से संबंधित एक आवेदन प्राप्त हुआ था, जिसकी जांच के लिए वे यहां आए हैं। अधिकारियों के अनुसार, स्थल निरीक्षण के बाद पूरी जांच रिपोर्ट 24 घंटे के भीतर जिलाधिकारी को सौंप दी जाएगी। इस रिपोर्ट के आधार पर सड़क निर्माण की प्रक्रिया को अंतिम रूप दिया जाएगा। यह कार्रवाई 19 मई को मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के आह्वान पर आयोजित सहयोग समिति से जुड़े एक घटनाक्रम के बाद हुई है। उस दिन, लोगों ने वैशाली जिलाधिकारी से स्थल निरीक्षण का अनुरोध किया था। जब जिलाधिकारी स्थल निरीक्षण के लिए जा रही थीं, तब हाजीपुर के भाजपा विधायक अवधेश सिंह ने उन्हें रोक दिया था। इस घटना के बाद दलित समाज के लोग आक्रोशित हो गए और उन्होंने हंगामा किया। इस घटना का वीडियो वायरल होने के बाद जिला प्रशासन और विधायक को भारी फजीहत का सामना करना पड़ा था। इसी के बाद जिलाधिकारी ने आज यह पहल की है, जिससे ग्रामीणों में वर्षों पुरानी मांग पूरी होने की उम्मीद जगी है।

### बुलेट के लिए नवविवाहिता की पीट-पीटकर हत्या, 9 महीने पहले की थी लव मैरिज

**हाजीपुर**। वैशाली में दहेज के लिए एक नवविवाहिता की पीट-पीटकर हत्या किए जाने का मामला सामने आया है। मामला बालिगांव थाना क्षेत्र के भूसाही गांव की है। घटना बुधवार देर रात की बताई जा रही है। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए सदर अस्पताल हाजीपुर भेज दिया। मामले की गंभीरता को देखते हुए FSL टीम को भी बुलाया गया, जिसने घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए हैं। पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी है। मृतका की पहचान 20 वर्षीय अमृता कुमारी के रूप में हुई है। उसकी शादी करीब नौ महीने पहले भूसाही गांव निवासी प्रमोद पंडित के बेटे मनीष कुमार से हुई थी। स्थानीय लोगों के अनुसार, अमृता और मनीष के बीच प्रेम प्रसंग था, जिसके बाद दोनों की शादी हुई थी। बताया जाता है कि शुरुआत में लड़की पक्ष इस विवाह के लिए तैयार नहीं था, लेकिन बाद में दोनों परिवारों की सहमति से शादी संपन्न हुई। मृतका की बड़ी बहन ने ससुराल पक्ष पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उनका कहना है कि शादी के बाद से ही अमृता को दहेज के लिए लगातार प्रताड़ित किया जा रहा था। आरोप है कि पति मनीष कुमार और उसकी मां बुलेट की मांग कर रहे थे। परिजनों ने यह भी दावा किया कि दहेज की मांग पूरी नहीं होने तक अमृता को मायके वालों से बात करने नहीं दिया जाता था। उसके मोबाइल फोन से परिवार के सभी नंबर ब्लॉक कर दिए गए थे।

परिजनों के मुताबिक, गुरुवार देर रात अमृता की बेरहमी से पिटाई की गई, जिससे उसकी मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलने के बाद इलाके में सनसनी फैल गई। स्थानीय लोगों ने इसकी सूचना पुलिस को दी, जिसके बाद बालिगांव थाना की टीम मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। फिलहाल पुलिस सभी आरोपों की जांच कर रही है। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट और एफएसएल जांच के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। बालीगांव थाना अध्यक्ष रामनिवास ने बताया कि महिला की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत की सूचना पुलिस को मिली थी। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए सदर अस्पताल, हाजीपुर भेज दिया गया। उन्होंने बताया कि घटना के बाद से ससुराल पक्ष के सभी लोग फरार हैं। मृतका के परिजनों की ओर से लिखित आवेदन मिलते ही प्राथमिकी दर्ज कर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच-पड़ताल में जुटी हुई है।

### लालगंज में विवाहिता ने फांसी लगाकर की आत्महत्या, वट सावित्री व्रत के लिए पैसे न मिलने से थी नाराज

**हाजीपुर**। लालगंज थाना क्षेत्र के सलाहपुर मोहल्ला में बुधवार को एक विवाहिता ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल हाजीपुर भेज दिया। मृतका की पहचान मधुबनी के कमलवाड़ी गांव निवासी दिलीप मंडल के पुत्र विकास मंडल की पत्नी पुष्पा कुमारी के रूप में हुई है। पुष्पा की शादी वर्ष 2018 में राजनगर चिरचिरि गांव निवासी नंदकिशोर प्रसाद मंडल की पुत्री से हुई थी। दंपति पिछले पांच-छह महीने से लालगंज के सलाहपुर मोहल्ला स्थित श्याम नंदन राय के मकान में किराये पर रह रहे थे। शादी के बाद से उन्हें कोई बच्चा नहीं हुआ था, जिसके लिए पति-पत्नी डॉक्टर से इलाज भी करा रहे थे। पति विकास मंडल फोरलेन निर्माण कार्य में मजदूरी करते हैं। बताया गया है कि वट सावित्री व्रत को लेकर पुष्पा ने पति से पैसे की मांग की थी। पति ने अपनी आर्थिक स्थिति का हवाला देते हुए उतनी राशि देने में असमर्थता जताई, जिससे पुष्पा कुमारी नाराज चल रही थी। बुधवार, 20 मई 2026 को महिला ने खाना बनाने के बाद कमरे का दरवाजा अंदर से बंद कर लिया। काफी देर तक दरवाजा नहीं खुलने पर मकान मालकिन विद्या देवी को शक हुआ। उन्होंने बगल के मिस्त्री को बुलाकर दरवाजा खुलवाया। दरवाजा खुलते ही कमरे के अंदर महिला का शव पंखे से दुपट्टे के सहारे लटका मिला। घटना की जानकारी मिलने के बाद आसपास के लोगों की भीड़ जुट गई। लोगों ने मृतका के पति और पुलिस को सूचना दी। लालगंज थाना के एसआई कमलेश कुमार पांडेय एवं एसआई जनार्दन प्रसाद मौके पर पहुंचे और मामले की जांच शुरू की। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल हाजीपुर भेज दिया। पुलिस पूरे मामले की जांच-पड़ताल में जुटी हुई है।

### सिक्स लेन पुल पर युवक का मिला शव, खून से लथपथ शर्ट बरामद, हत्या की आशंका, पहचान में जुटी पुलिस

**हाजीपुर**। वैशाली में राघोपुर कच्ची दरगाह-बिदुपुर सिक्स लेन पुल के पाया नंबर 8 की रेलिंग के पास गुरुवार सुबह एक अज्ञात युवक का शव मिला। सूचना मिलते ही राहगीर, पुल निर्माणकर्मी और अधिकारी मौके पर जमा हो गए। रुस्तमपुर थाना पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू की। राहगीरों ने सुबह पुल पर शव देखा, जिसके बाद इसकी जानकारी पुलिस को दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से शव की पहचान करने का प्रयास किया, लेकिन सफलता नहीं मिली। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया है। प्रारंभिक जांच में युवक की हत्या कर शव को पुल पर फेंके जाने की आशंका जताई जा रही है। युवक की शर्ट खून से लथपथ पाई गई। रुस्तमपुर थाना अध्यक्ष कुमार अभिषेक ने बताया कि सिक्स लेन पुल पर शव मिलने की सूचना पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची थी। स्थानीय लोगों की मदद से पहचान का प्रयास किया गया, लेकिन शव की शिनाख्त नहीं हो सकी। पोस्टमार्टम के बाद शव को सदर अस्पताल में सुरक्षित रखा गया है। पुलिस अब शव की पहचान कर उसके परिजनों को सूचित करने का प्रयास कर रही है। घटना के संबंध में आगे की जानकारी जुटाई जा रही है और आवश्यक कार्रवाई की जा रही है।

# मुख्य आरोपी सहित तीन की मौत पत्नी-बच्चे की हालत नाजुक

## पटना सिटी आगजनी मामला

एजेंसी, पटना

पटना सिटी में बुधवार को पहले पति ने पत्नी, बच्चों के साथ-साथ सास, ससुर को आग लगा दी। इस घटना में अब तक तीन लोगों की मौत हो चुकी है। मृतकों में मुख्य आरोपी कन्हैया कुमार, गोविंद अग्रवाल के पिता पुरुषोत्तम प्रसाद और उनकी मां नीलम देवी शामिल हैं। तीनों घायलों की मौत इलाज के दौरान हुई। पुलिस ने पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिए हैं। यह घटना पत्नी से विवाद के चलते हुई थी। इस मामले में गोविंद अग्रवाल ने चौक थाने में कन्हैया कुमार के खिलाफ मामला दर्ज कराया था। घटना में घायल हुए गोविंद के दो बच्चे और उसकी पत्नी मोनी उर्फ प्रिया की हालत अभी भी गंभीर बनी हुई है। यह घटना पटना सिटी के चौक थाना क्षेत्र स्थित राजा बाबू खाटू श्याम गली में हुई।

**पति को छोड़ दूसरे से की शादी, पेट्रोल डालकर आग लगायाः** पुलिस के अनुसार, मुन्नी देवी ने 15 दिन पहले कन्हैया कुमार को छोड़कर गोविंद से शादी की थी। बताया जा रहा है कि कन्हैया कुमार इसे लेकर नाराज था। बुधवार देर रात कन्हैया कुमार का अपनी पत्नी को लेकर गोविंद अग्रवाल के परिवार से विवाद हुआ था। आरोप है कि महिला का पहला पति और आरोपी कन्हैया कुमार अपने साथ पेट्रोल लेकर आया था। घर में घुसते ही उसने सभी के ऊपर पेट्रोल डाला और आग लगा दी। आग लगते ही इलाके में अफरा-तफरी मच गई। लोगों की चीख-पुकार सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे।

**घर में घुसकर सभी को जलाया गयाः** पड़ोसियों ने बताया कि, सुबह करीब 10.30 बजे राजा बाबू खाटू श्याम गली में गोविंद अग्रवाल के घर से आग की लपटें उतरी दिखीं।

❒ **पहले पति ने पूरे परिवार को लगाई थी आग**

हम लोग दौड़ते हुए वहां पहुंचे। अंदर देखा तो 4 लोग बुरी तरह से जल रहे थे। आसपास के लोगों को मदद के लिए बुलाया और पुलिस को भी जानकारी दी गई। पुलिस की मदद से सभी को रेस्क्यू किया गया। संकरी गली होने के कारण राहत एवं बचाव कार्य में काफी परेशानी हुई, लेकिन स्थानीय लोगों ने साहस दिखाते हुए घायलों को बाहर निकाला।

**मुख्य आरोपी आरोपी सहित 3 की मौतः** इस हमले में पुरुषोत्तम अग्रवाल (ससुर), नीलम देवी (सास), मुन्नी देवी (पत्नी) और एक बच्चा गंभीर रूप से झुलस गए। चारों को गंभीर हालत में NMCH में इलाज के लिए लाया गया। हमले में मुख्य आरोपी कन्हैया कुमार भी झुलस गया था। पुलिस ने उसे भी इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया, लेकिन बुधवार देर रात उसने दम तोड़ दिया। गुरुवार दोपहर पुरुषोत्तम अग्रवाल और नीलम देवी की भी मौत हो गई। फिलहाल मुन्नी देवी और एक बच्चे की हालत बेहद नाजुक बनी हुई है।

# घर छोड़ आश्रम पहुंचे पीके

एजेंसी, पटना

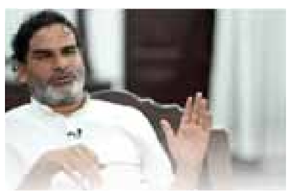

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 में मिली हार के बाद अब जन सुराज के मुखिया प्रशांत किशोर ने अपना घर छोड़ दिया है। उन्होंने पटना के बिहटा में एक आश्रम में अपना ठिकाना बनाया है। प्रशांत किशोर ने तय किया है कि अगले पांच साल तक वहीं रहेंगे, यानी जब तक उनकी पार्टी जन सुराज बिहार विधानसभा चुनाव 2031 में खुद को ठीक से स्थापित नहीं कर लेती, तब तक प्रशांत किशोर एक आश्रम में रहने वाले हैं। आश्रम से ही राजनीतिक गतिविधियां होंगी। पार्टी के कामकाज देखेंगे। 48 साल के राजनीतिक रणनीतिकार और नेता प्रशांत किशोर ने बुधवार को दरभंगा में जानकारी देते हुए कहा कि बीते मंगलवार (19 मई) की रात को ही उन्होंने अपना आवास छोड़ दिया था।

❒ **अगले चुनाव तक वहीं रहेंगे, बोले- मुख्यमंत्री को 25 एकड़ का बंगला भी छोटा पड़ रहा, बिहार में बस चेहरा बदला, समस्याएं वही**

प्रशांत किशोर ने IIT-पटना के पास स्थित बिहार नवनिर्माण आश्रम में अब आश्रय ले लिया है, जो अगले पांच साल तक उनका घर होगा। ये एरिया पहले बगीचा था, जिसे अब आश्रम का रूप दिया जा रहा है। 5 एकड़ में लगभग 50 से अधिक टेंट लगाए जा रहे हैं। इसी के साथ प्रशांत किशोर ने उम्मीद जताई है कि अगले विधानसभा चुनाव में उनकी पार्टी जन सुराज बिहार की जनता पर सकारात्मक प्रभाव बना पाएगी। अभी तक प्रशांत किशोर पटना एयरपोर्ट के पास स्थित 'शेखपुरा हाउस' से अपनी पार्टी के कामकाज संभाल रहे थे। यह आवास बिहार के पूर्व सांसद और जन सुराज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष उदय सिंह (पप्पू सिंह) का है। बिहार नवनिर्माण अभियान के तहत दरभंगा पहुंचने पर उन्होंने बिहार सरकार के छह महीने के कार्यकाल पर तीखा हमला किया। कहा, 'राज्य में सिर्फ नेताओं के चेहरे बदले हैं, लेकिन समस्याएं अब भी वहीं की वहीं हैं। चुनाव के दौरान रोजगार, पलायन और शिक्षा सुधार के बड़े-बड़े वादे किए गए थे, लेकिन छह महीने बाद भी स्थिति में कोई सुधार नहीं दिख रहा है।'

# अगम कुआं शिवलोक नगर में अधूरी सड़क पर गड्ढे

एजेंसी, पटना

पटना के अगम कुआं स्थित शिवलोक नगर (वार्ड नंबर 61) में शिव मंदिर के पास एक अर्धनिर्मित सड़क पर गहरे गड्ढे बन गए हैं। इन गड्ढों में बारिश का पानी जमा होने से स्थानीय निवासियों और वाहन चालकों को आवागमन में भारी परेशानी हो रही है। सड़क निर्माण कार्य की धीमी गति को लेकर स्थानीय लोगों में भारी नाराजगी है। निवासियों के अनुसार, सड़क का केवल कुछ हिस्सा ही बन पाया है, जबकि शेष निर्माण कार्य अभी भी अधूरा है।

लगभग 500 से 600 फीट लंबी इस सड़क के निर्माण में तीन से चार महीने का समय लग चुका है, लेकिन यह अब तक पूरी नहीं हो पाई है। इस कारण क्षेत्र में आवागमन लगातार बाधित हो रहा है। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से इस समस्या पर तत्काल ध्यान देने और सड़क निर्माण कार्य को गुणवत्तापूर्ण तरीके से जल्द पूरा करने की मांग की है। उनका कहना है कि यदि वर्तमान स्थिति बनी रहती है, तो सड़क बनने के बाद भी समस्याएं समाप्त नहीं होंगी।

इस संबंध में, कनिष्ठ अभियंता स्नेहा कुमारी और ठेकेदार मनोज कुमार से बात की गई, जिन्होंने सड़क निर्माण कार्य जल्द पूरा करने का आश्वासन दिया है। वार्ड पार्षद रूप नारायण मेहता से संपर्क का प्रयास किया गया। स्थानीय नागरिकों राहुल कुमार, धीरज तिवारी, महानंदजी, कृष्णा जी और शंभु जी ने भी अपनी चिंताएं व्यक्त की हैं।

# पटना में खुलेआम युवक की किडनैपिंग की कोशिश, बीच सड़क खींचकर गाड़ी तक ले गए

एजेंसी, पटना

पटना के कादिरगंज थाना क्षेत्र में जमीन विवाद को लेकर एक युवक के कथित अपहरण का प्रयास किया गया। मंगलवार को हुई इस घटना का वीडियो भी सामने आया है, जिसमें कुछ लोग युवक को जबरन गाड़ी में बैठाने की कोशिश करते दिख रहे हैं। पीड़ित रविकांत कुमार ने बुधवार को कादिरगंज थाना में शिकायत दर्ज कराई है, जिसके बाद पुलिस ने तीन नामजद आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

**10 कट्ठा जमीन को लेकर पारिवारिक विवादः** रविकांत कुमार के अनुसार, यह मामला 10 कट्ठा जमीन के पारिवारिक विवाद से जुड़ा है। हालांकि, पहले आपसी बातचीत के बाद इस विवाद को सुलझा लिया गया था। लेकिन मंगलवार देर रात जब रविकांत एक जन्मदिन पार्टी से घर लौट रहे थे, तभी उनके चचेरे भाई विपिन कुमार उर्फ चंदन, शंकर कुमार, रोशन कुमार और मोनू कुमार ने उन्हें रास्ते में रोक लिया।

**जबरन पकड़कर गाड़ी में बैठाने की कोशिशः** आरोपियों ने रविकांत को जबरन पकड़कर गाड़ी में बैठाने का प्रयास किया। रविकांत के शोर मचाने पर आसपास के ग्रामीण मौके पर जमा हो गए। ग्रामीणों की भीड़ देखकर आरोपी रविकांत को छोड़कर मौके से फरार हो गए। घटना के दौरान मौजूद किसी व्यक्ति ने पूरे वाकये का वीडियो बना लिया। इस वीडियो में साफ तौर पर देखा जा सकता है कि कुछ लोग एक युवक को जबरन पकड़कर वाहन की ओर ले जा रहे हैं।

♦ **भीड़ जुटने पर छोड़कर भागे, चचेरे भाइयों के खिलाफ केस**

**आरोप सही पाए जाने पर होगी सख्त कार्रवाईः** कादिरगंज थाना प्रभारी रोशन कुमार ने बताया कि, 'यह पारिवारिक जमीन विवाद से जुड़ा एक पुराना मामला है। पीड़ित की शिकायत के आधार पर प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। पुलिस वायरल वीडियो की भी जांच कर रही है और आरोपियों की पहचान कर गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है।' थाना प्रभारी ने कहा कि, 'मामले के हर पहलू की गंभीरता से जांच की जा रही है। यदि वीडियो और अन्य साक्ष्यों में आरोप सही पाए जाते हैं तो आरोपियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।'

# 25 करोड़ की स्मैक केस में फरार सिपाही गिरफ्तार रांची से दबोचा गया ऋषिकेश क्रांतिकारक

एजेंसी, पटना

पटना के आलमगंज थाना कांड संख्या 294/26 में नामजद फरार आरोपी ऋषिकेश क्रांतिकारक उर्फ अनीश को पुलिस ने रांची से गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी मूल रूप से नवादा का रहने वाला है, और बिहार पुलिस में सिपाही के पद पर कार्यरत था। गिरफ्तारी के बाद उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

**25 करोड़ के स्मैक बरामदगी मामले में था फरारः** पटना में 25 करोड़ रुपये मूल्य की स्मैक बरामदगी मामले ने राज्य में सक्रिय ड्रग नेटवर्क के खतरनाक चेहरे को उजागर किया था। इस मामले में पहले ही समस्तीपुर के जितेंद्र कुमार और जहानाबाद के नीतीश कुमार को गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है। जांच के दौरान बड़ा खुलासा हुआ कि नालंदा का सिपाही ऋषिकेश क्रांतिकारक उर्फ अनीश इस पूरे सिंडिकेट की अहम कड़ी था।

**पटना में चला रहा था स्मैक की प्रोसेसिंग और सप्लाई नेटवर्कः** जानकारी के अनुसार, ऋषिकेश गया में पदस्थापित था और जुलाई 2025 में उसका ट्रांसफर भागलपुर हुआ था, लेकिन उसने वहां योगदान नहीं दिया और फरार हो गया। पुलिस को पटना के आलमगंज और रामकृष्ण नगर इलाके से उसके बैंक दस्तावेज, चेकबुक और सर्विस रिकॉर्ड बरामद हुए, जिसके बाद नेटवर्क में अंदरूनी मिलीभगत की आशंका और गहरा गई। जांच में यह भी सामने आया कि पटना में स्मैक की प्रोसेसिंग और सप्लाई का पूरा नेटवर्क संचालित हो रहा था। रॉ मटेरियल यूपी के मुगलसराय

**ड्रग नेटवर्क से जुड़े बड़े खुलासे**

और गाजीपुर से मंगाया जाता था। सप्लाई के लिए ट्रेन, कुरियर और सड़क मार्ग का इस्तेमाल किया जाता था। पुलिस सूत्रों के अनुसार, सड़क मार्ग से तस्करी के दौरान सिपाही ऋषिकेश वर्दी में साथ रहता था, जिससे चेकिंग के दौरान आसानी से बचाव हो जाता था।

**ड्रग नेटवर्क का लिंक बेउर जेल से भी जुड़ाः** इस ड्रग नेटवर्क का लिंक बेउर जेल तक जुड़ा होने की भी बात सामने आई है, जहां से एक कथित 'दादा' पूरे रैकेट को ऑपरेट कर रहा था। मामले में आलमगंज और रामकृष्ण नगर थाने में जितेंद्र कुमार, नीतीश कुमार और पटनदेवी इलाके के राहुल यादव समेत अन्य के खिलाफ केस दर्ज है। अब फरार चल रहे सिपाही ऋषिकेश क्रांतिकारक उर्फ अनीश की गिरफ्तारी को पुलिस बड़ी सफलता मान रही है।

# मधेपुरा में आकाशीय बिजली गिरने से 2 की मौत

एजेंसी, पटना

भीषण गर्मी के बीच बिहार के कई जिलों का मौसम बदल गया। सहरसा, बेगूसराय, कटिहार, सहरसा समेत कई जिलों में तेज हवा के साथ बारिश हुई। सुपौल, मधुबनी में भी काले बादल छाने से अंधेरा छा गया। दरभंगा में तेज आंधी और बारिश के दौरान प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र(PHC) में कई जगहों पर फॉल्स सीलिंग गिर गई। मधेपुरा के बिहारीगंज में आकाशीय बिजली गिरने से दो युवकों की मौत हो गई। कई घायल हैं।

इधर, पटना समेत बिहार के कई जिले भीषण गर्मी की चपेट में हैं। जमुई में गर्मी के चलते क्लासरूम में सातवीं कक्षा के छात्र की अचानक तबीयत बिगड़ गई। जमुई का तापमान गुरुवार को 40 डिग्री दर्ज किया गया। भीषण गर्मी के कारण गयाजी में पांचवीं तक के स्कूल बंद हो गए हैं, जबकि क्लास 6 से आठवीं तक सुबह 11 बजे तक ही पढ़ाई होगी। गयाजी में सुबह 10 बजे ही तापमान 40 डिग्री के पार पहुंच जा रहा है। मौसम विभाग ने बिहार के 7 जिलों बारिश का अलर्ट जारी किया है। इन जिलों में आंधी-बारिश, आकाशीय बिजली की चेतावनी जारी की गई है। इसके अलावा 5 जिलों में हीटवेव का रेड अलर्ट जारी किया गया है। दरभंगा के गंगवाड़ा स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (PHC) में तेज आंधी-तूफान और बारिश के दौरान फैब्रिक से बने भवन का एक हिस्सा टूटकर गिर गया। कई जगहों पर फॉल्स सीलिंग गिर गई, जबकि दीवारें भी अपनी जगह से खिसकने लगीं।

# पटना में बनेगा 6 मॉडर्न गार्बेज ट्रांसफर स्टेशन

एजेंसी, पटना

पटना को कचरा मुक्त बनाने के लिए सभी अंचलों में मॉडर्न गार्बेज ट्रांसफर स्टेशन बनाया जाएगा। शहर की विभिन्न जगहों पर 6 गार्बेज ट्रांसफर स्टेशन के निर्माण में करीब 69.97 करोड़ रुपये खर्च होंगे। सबसे ज्यादा खर्च पटना सिटी अंचल में होगा। यहां करीब 13.97 करोड़ रुपये से निर्माण किया जाएगा। हालांकि, अभी जमीन सर्वे में 4 अंचल के लिए प्रस्तावित जगह चिन्हित कर ली गयी है। वहीं, पटना सिटी अंचल और अजीमाबाद अंचल में जमीन नहीं मिली है।

**आधुनिक मशीनों से होगा कचरे का डिस्पोजलः** यह कचरा ट्रांसफर स्टेशन आधुनिक मशीनों जैसे कंपैक्टर, कन्वेयर और हाइड्रोलिक सिस्टम से सुसज्जित होगा, जिससे कचरे का निपटान तुरंत, सुरक्षित और स्वच्छ तरीके से किया जा सकेगा। यह स्टेशन शहर की वेस्ट मैनेजमेंट सेंटर में एक महत्वपूर्ण कड़ी के रूप में काम करेगा, जिससे लोकल कलेक्शन पॉइंट से कचरे को फाइनल प्रोसेसिंग या डिस्पोजल साइट तक पहुंचाना संभव होगा। इन कचरा ट्रांसफर स्टेशन पर, घरों, दुकानों, बाजारों और अन्य सार्वजनिक स्थानों से छोटे वाहनों (जैसे टिपर, रिक्शा, ई-रिक्शा आदि) द्वारा इकट्ठा किए गए कचरे को गार्बेज ट्रांसफर स्टेशन परिसर में निर्मित विशेष प्लेटफार्मों पर उतारा जाएगा। इसके बाद कचरे को मशीनों द्वारा संकुचित किया जाएगा।

# अबकी बार सूखे के आसार, 20% तक कम होगी बारिश, 45 डिग्री के पार जाएगा पारा

एजेंसी, पटना

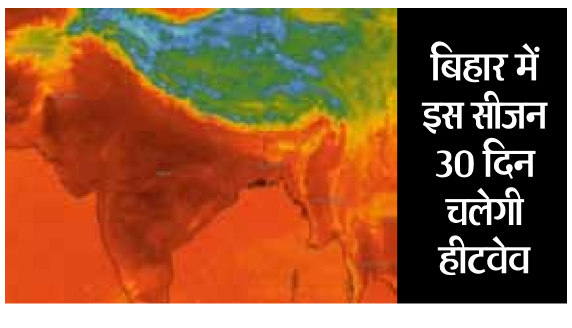

बिहार में भीषण गर्मी पड़ रही है। पारा 40 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच गया है। आने वाले 8 दिनों तक चिलचिलाती गर्मी से राहत की उम्मीद कम है। इस सीजन 30 दिन हीटवेव चलेगी। चिंता की बात है कि बिहार में इस साल सूखा पड़ने की आशंका है। साथ ही भीषण गर्मी भी झेलनी पड़ सकती है। प्रशांत महासागर में विषुवत रेखा के आसपास पानी का तापमान बढ़ रहा है। इसके चलते मिड मई-जुलाई से सर्दियों तक सुपर अल-नीनो की स्थिति बने रहने की संभावना है। ऐसा होने पर प्रशांत महासागर से आ रही गर्म हवाएं हिंद महासागर और अरब सागर से भारत की ओर बहने वाली नम व ठंडी हवा को रोक देगी। इसी ठंडी हवा के चलते मानसून के दौरान बारिश होती है। हवा रुकने का मतलब है कि बारिश कम होगी।

**बिहार में कब आएगा मानसून?ः** मौसम वैज्ञानिकों ने बताया है कि बिहार में मानसून के 8-10 जून को आने की संभावना है। आमतौर पर यह 15 जून के आसपास आता है। 26 मई को दक्षिण-पश्चिम मानसून केरल में दस्तक दे सकता है। मौसम वैज्ञानिक आशीष कुमार के मुताबिक, इस साल भी बिहार में मानसून के दौरान सामान्य से कम बारिश की संभावना है। बिहार में मानसून की सामान्य बारिश 992.2mm है। मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार इस साल बिहार में सामान्य से करीब 20% कम बारिश होने की संभावना है। अल-नीनो और सुपर अल-नीनो ने मानसून पर असर डाला तो स्थिति और गंभीर हो सकती है।

**पूरे मई सता सकती है भीषण गर्मीः** Accuweather के अनुसार बिहार में पूरे मई भीषण गर्मी सता सकती है। पटना में 29 मई तक अधिकतम तापमान 40 डिग्री सेल्सियस के पार रहने की संभावना है। 27 मई को तो यह 45 डिग्री सेल्सियस तक जा सकता है। गया और रोहतास जैसे जिलों में पारा 45 के पार जा सकता है।

## संक्षिप्त समाचार

### मोतिहारी इंजीनियरिंग कॉलेज के हॉस्टल में छात्रा का शव मिलने से सनसनी

- पांचवें सेमेस्टर की छात्रा रिमी कुमारी की संदिग्ध मौत, पुलिस हर पहलू से कर रही जांच

**बीएनएम @ मोतिहारी**। पूर्वी चंपारण जिले के मुफस्सिल थाना क्षेत्र स्थित इंजीनियरिंग कॉलेज परिसर में गुरुवार को उस समय सनसनी फैल गई, जब एक छात्रा का शव हॉस्टल के कमरे में फंदे से लटका मिला। मृतका की पहचान रिमी कुमारी के रूप में हुई है, जो कॉलेज में पांचवें सेमेस्टर की छात्रा थी। जानकारी के अनुसार छात्रा के हॉस्टल कमरे का दरवाजा काफी देर तक अंदर से बंद था। सहपाठियों और कॉलेज प्रशासन को जब अनहोनी की आशंका हुई तो दरवाजा खुलवाने का प्रयास किया गया, लेकिन अंदर से कोई प्रतिक्रिया नहीं मिलने पर दरवाजा तोड़ा गया। कमरे के अंदर रिमी कुमारी फंदे से लटकी मिली। आनन-फानन में उसे नीचे उतारकर सदर अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही मुफस्सिल थाना पुलिस और फॉरेंसिक साइंस लेबोरेटरी (एफएसएल) की टीम मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने कमरे को सील कर जांच शुरू कर दी है। एफएसएल की टीम घटनास्थल से वैज्ञानिक साक्ष्य जुटाने में लगी हुई है। प्रारंभिक जांच में मामला आत्महत्या का प्रतीत हो रहा है, हालांकि पुलिस सभी बिंदुओं पर जांच कर रही है। मौत के वास्तविक कारणों का पता लगाने के लिए शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। मुफस्सिल थाना पुलिस ने बताया कि मामले की गंभीरता को देखते हुए हर पहलू से जांच की जा रही है। हॉस्टल की छात्राओं, कॉलेज कर्मियों और संबंधित लोगों से पूछताछ की जा रही है, ताकि घटना के पीछे की वजह स्पष्ट हो सके। घटना की सूचना मिलते ही मृतका के परिजनों को जानकारी दे दी गई। इसके बाद परिवार में मातम का माहौल है। छात्रा की मौत के बाद कॉलेज परिसर में भी शोक और तनाव का माहौल बना हुआ है।

### रक्सौल सब्जी बाजार में एसटीएफ की छापेमारी, 30 लाख से अधिक की भारतीय-नेपाली करेंसी जब्त

**बीएनएम @ रक्सौल**। पटना एसटीएफ एवं रक्सौल पुलिस की संयुक्त टीम ने बुधवार की संध्या रक्सौल सब्जी बाजार में छापेमारी कर अवैध रूप से संचालित भारतीय-नेपाली करेंसी एक्सचेंज काउंटर का खुलासा किया। कार्रवाई के दौरान भारी मात्रा में नेपाली एवं भारतीय मुद्रा बरामद की गई, जिससे इलाके में हड़कंप मच गया। एसटीएफ के डीएसपी के नेतृत्व में हुई इस छापेमारी में नेपाली मुद्रा 17 लाख 87 हजार 100 रुपये तथा भारतीय मुद्रा 13 लाख 4 हजार 150 रुपये जब्त किए गए। कुल बरामद राशि 30 लाख रुपये से अधिक बताई जा रही है। कार्रवाई के दौरान पुलिस ने मौके से दो लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। रक्सौल एएसपी एवं थानाध्यक्ष हेमंत कुमार ने बताया कि गिरफ्तार दोनों व्यक्तियों समेत अन्य संदिग्धों के खिलाफ आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जा रही है। साथ ही जब्त मुद्रा के स्रोत और लेन-देन के नेटवर्क की विस्तृत जांच की जा रही है। स्थानीय व्यापारियों एवं नागरिकों के अनुसार सब्जी बाजार में यह करेंसी एक्सचेंज काउंटर लंबे समय से संचालित हो रहा था। दुकानदारी की आड़ में भारतीय और नेपाली मुद्रा का विनिमय किया जाता था। एसटीएफ को आशंका है कि अवैध विनिमय के जरिए कर एवं नियामकीय प्रक्रिया से बचते हुए गुप्त रूप से लेन-देन किया जा रहा था। पुलिस अधिकारियों ने संकेत दिया है कि मामले में केंद्रीय एवं राज्य स्तरीय प्रवर्तन एजेंसियों के नियमों के तहत आगे भी कार्रवाई की जा सकती है।

# मोतिहारी में सैकड़ों वर्ष पुराने कुएं पर कब्जे का आरोप, लोगों ने एसडीओ से लगाई गुहार

» बंटवारे में संरक्षित रखने की बनी थी सहमति, अब दबंगों पर कुएं को तोड़कर जमीन हड़पने का आरोप

**सागर सूरज**

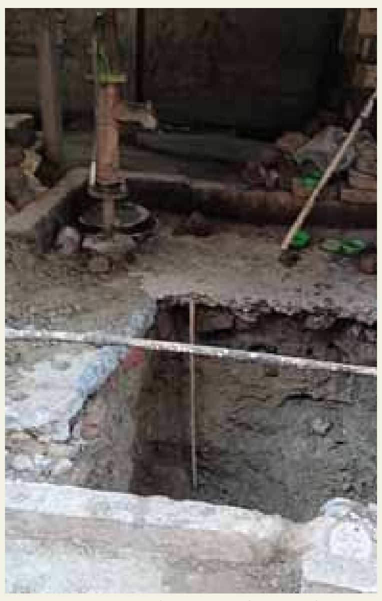

**मोतिहारी**। भू-जल संरक्षण को लेकर केंद्र और राज्य सरकारें लगातार अभियान चला रही हैं। उच्चतम न्यायालय भी समय-समय पर नदी, नाले, पोखर और कुओं को संरक्षित रखने को लेकर सरकारों को निर्देश देता रहा है। ऐसे माहौल में मोतिहारी शहर के बेलबनवा मोहल्ला स्थित एक सैकड़ों वर्ष पुराने सार्वजनिक कुएं को अतिक्रमण कर तोड़ने और उसकी जमीन हड़पने के प्रयास का मामला सामने आया है। इसको लेकर स्थानीय लोगों में भारी आक्रोश है।

स्थानीय निवासी अरुण तिवारी के नेतृत्व में लोगों ने मोतिहारी सदर अनुमंडल पदाधिकारी को आवेदन देकर तत्काल कार्रवाई की मांग की है। आवेदन में बताया गया है कि खाता संख्या-86, खेसरा संख्या-254 रकबा 0-2-12 धूर तथा खाता संख्या-70, खेसरा संख्या-253 के अंश मवाजी की जमीन बेलबनवा मोहल्ला में स्थित है, जहां वर्षों पुराना सार्वजनिक कुआं मौजूद है।

आसपास के लोगों के मकान, दुकान और मंदिर भी इसी भूमि से जुड़े हैं।

आवेदन के अनुसार परिवार के सभी फरीकों के बीच पूर्व में हुए बंटवारे और सुलहनामा में स्पष्ट रूप से यह तय किया गया था कि कुएं के पूर्व स्थित पिच रोड, कुआं तथा मंदिर को संरक्षित रखा जाएगा। मंदिर के लिए भी अलग से सात धूर भूमि छोड़ी गई थी। इसके बावजूद आरोप है कि गोवर्धन स्वीट नामक मिठाई दुकान चला रहे जितेंद्र दुबे उर्फ जीतू दुबे ने कुएं को ढंककर उसके ऊपर अवैध छप्पर बना लिया है।

इतना ही नहीं, कुएं में गैस सिलेंडर, बर्तन और गंदा पानी डालकर उसे नुकसान पहुंचाया जा रहा है।

स्थानीय लोगों का आरोप है कि अब उक्त स्थल पर पक्का निर्माण कराने के लिए गड्ढा खोदकर पिलर देने की तैयारी की जा रही है। आवेदन में यह भी कहा गया है कि विरोध करने पर जान से मारने की धमकी दी जा रही है।

लोगों ने आरोप लगाया कि दूसरे पक्ष के कुछ लोग जबरन निर्माण कार्य करा रहे हैं।

मोहल्लेवासियों ने प्रशासन से स्थल जांच कर कुएं को अतिक्रमण मुक्त कराने तथा अवैध निर्माण पर तत्काल रोक लगाने की मांग की है।

## बाढ़ पूर्व तैयारियों का डीएम ने लिया जायजा, आपदा गोदाम का निरीक्षण, राहत-बचाव उपकरणों की स्थिति परखी

**बीएनएम @ मोतिहारी**

**मोतिहारी**। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी बिहार सरकार द्वारा बाढ़ एवं सुखाड़ से बचाव को लेकर पूर्व तैयारियों की समीक्षा के दौरान दिए गए निर्देशों के आलोक में जिलाधिकारी सौरभ जोरवाल ने शहर के समाहरणालय स्थित आपदा प्रबंधन शाखा के गोदाम का निरीक्षण गुरुवार को किया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने गोदाम में उपलब्ध प्लास्टिक शीट्स, इन्फ्लेटेबल मोटर, लाइफ जैकेट, राहत एवं बचाव कार्यों में उपयोग होने वाले स्ट्रेचर तथा ओबियम मशीन सहित अन्य उपकरणों की स्थिति का जायजा लिया। सहायक आपदा प्रबंधन पदाधिकारी अखिलेश कुमार ने जानकारी दी कि जिला आपदा गोदाम में वर्तमान में 436 लाइफ जैकेट, 7 परिचालन योग्य ओबियम मशीन, 4 सैटेलाइट फोन तथा लगभग 20 हजार पॉलीथिन शीट्स उपलब्ध हैं। जिलाधिकारी ने सभी उपकरणों एवं सामग्रियों के समुचित रख-रखाव सुनिश्चित करने तथा ओबियम मशीनों का समय-समय पर परीक्षण कराने का निर्देश दिया, ताकि किसी भी आपातकालीन परिस्थिति में त्वरित गति से राहत एवं बचाव कार्य संचालित किए जा सकें। निरीक्षण के दौरान अनुमंडल पदाधिकारी सदर मोतिहारी निशांत सिहारा, सहायक आपदा प्रबंधन पदाधिकारी अखिलेश कुमार एवं जिला आपदा कार्यालय के कर्मी उपस्थित रहे।

## भारत रत्न राजीव गांधी की 35वीं पुण्यतिथि पर कांग्रेसजनों ने किया श्रद्धांजलि सभा का आयोजन

**बीएनएम @ मोतिहारी**

**मोतिहारी**। भारत के पूर्व प्रधानमंत्री एवं भारत रत्न राजीव गांधी की 35वीं पुण्यतिथि के अवसर पर गांधी आश्रम, बंजरिया पंडाल में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन जिला कांग्रेस कमिटी, पूर्वी चम्पारण के अध्यक्ष ई. शशि भूषण राय उर्फ गप्पू राय के निर्देशानुसार किया गया। सभा की अध्यक्षता जिला कांग्रेस कमिटी, पूर्वी चम्पारण के कोषाध्यक्ष प्रो. विजय शंकर पाण्डेय ने की। सभा को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा कि स्व. राजीव गांधी की सबसे बड़ी देन युवाओं को 21 वर्ष से घटाकर 18 वर्ष की आयु में मतदान का अधिकार प्रदान करना था। उन्हें आधुनिक पंचायती राज व्यवस्था का जनक भी कहा जाता है। उनके कार्यकाल में देश में दूरसंचार क्षेत्र में अभूतपूर्व परिवर्तन हुआ, जिससे भारत तकनीकी विकास की दिशा में आगे बढ़ा। वक्ताओं ने कहा कि राजीव गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस ने लोकसभा में सर्वाधिक 414 सीटों पर जीत दर्ज की थी। उनके कार्यकाल में इंदिरा आवास योजना एवं जवाहर रोजगार योजना जैसी जनकल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में सड़क निर्माण एवं विकास कार्यों को गति मिली। इस अवसर पर मदन प्रसाद, मो. अजहर हुसैन अंसारी, रमेश कुमार श्रीवास्तव, विनय कुमार सिंह, मो. आबिह हुसैन, तरूण कुमार तिवारी, मो. ओसैदुर्र रहमान खान, अमरेन्द्र कुमार सिंह उर्फ ऋषि सिंह, रवि कुमार, पप्पूरंजन मिश्रा, ब्रजेन्द्र कुमार तिवारी, अविनाश कुमार उपाध्याय सहित सैकड़ों लोग उपस्थित थे।

# चिरैया में बाल श्रम के खिलाफ बड़ी कार्रवाई, चार बाल श्रमिक मुक्त

**बीएनएम @ मोतिहारी**

**मोतिहारी**। श्रम संसाधन एवं प्रवासी श्रमिक कल्याण विभाग, बिहार के निर्देश पर चिरैया प्रखंड में बाल श्रम के खिलाफ विशेष अभियान चलाया गया। श्रम प्रवर्तन पदाधिकारी, चिरैया के नेतृत्व में गठित विशेष धावा दल ने विभिन्न प्रतिष्ठानों में सघन जांच अभियान चलाकर चार बाल श्रमिकों को मुक्त कराया। जांच के दौरान शांति चौक स्थित साधु होटल एवं बाबा ग्लास, जबकि दीपही चौक स्थित सनाया बैग फैक्ट्री और हाईलाइट बैग फैक्ट्री से एक-एक बाल श्रमिक को रेस्क्यू किया गया। सभी बच्चों को सुरक्षित बाहर निकालकर प्रशासनिक संरक्षण में लिया गया। श्रम अधीक्षक रमाकांत ने बताया कि पूर्वी चंपारण जिले में बाल श्रम के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा। उन्होंने कहा कि बाल एवं किशोर श्रम (प्रतिषेध एवं विनियमन) अधिनियम, 1986 के तहत बच्चों से काम कराना दंडनीय अपराध है। संबंधित प्रतिष्ठानों के संचालकों के विरुद्ध संबंधित थानों में प्राथमिकी दर्ज कराने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। विमुक्त कराए गए बच्चों को बाल कल्याण समिति, पूर्वी चंपारण, मोतिहारी के समक्ष प्रस्तुत कर बाल गृह भेजा गया है, जहां उनके पुनर्वास एवं देखभाल की व्यवस्था की जाएगी। श्रम अधीक्षक ने बताया कि बाल श्रम कराने वालों पर 20 हजार से 50 हजार रुपये तक जुर्माना तथा दो वर्ष तक कारावास का प्रावधान है। इसके अलावा सर्वोच्च न्यायालय के निर्देशानुसार प्रत्येक बाल श्रमिक के एवज में नियोजकों से 20 हजार रुपये की राशि भी वसूली जाएगी। विशेष धावा दल में चिरैया, सुगौली, कल्याणपुर, केसरिया एवं पिपराकोठी के श्रम प्रवर्तन पदाधिकारी, डंकन हॉस्पिटल रक्सौल, ग्राम नियोजन केंद्र, प्रयास संस्था के प्रतिनिधि, पुलिस लाइन के जवान तथा एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग यूनिट की टीम शामिल रही। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि जिले में बाल श्रम के खिलाफ आगे भी सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

# जनगणना – प्रभावी नीति निर्माण की रीढ़ – जिलाधिकारी

**बीएनएम @ मोतिहारी**

**मोतिहारी**। जनगणना किसी भी देश के सामाजिक-आर्थिक विकास का दर्पण होता है। यह केवल आबादी की गिनती नहीं, बल्कि नीति निर्माण का वैज्ञानिक आधार है। आगामी जनगणना-2027 के सफल संचालन हेतु जिलाधिकारी -सह-प्रधान जनगणना अधिकारी सौरभ जोरवाल द्वारा समस्त नागरिकों से सक्रिय सहयोग की अपील की गई। उन्होंने बताया कि नीति निर्माण में संसाधनों के उचित आवंटन, सामाजिक लोक - कल्याणकारी योजनाओं का लक्ष्यीकरण, रोजगार एवं कौशल विकास, आपदा प्रबंधन इत्यादि में इन आंकड़ों का महत्वपूर्ण भूमिका रहता है। भारत की जनगणना- 2027 प्रथम चरण के अंतर्गत मकान गणना -सह- मकान सूचीकरण का कार्य प्रगति पर है, सभी चार्ज पदाधिकारियों को इस कार्य के प्रति ईमानदारी से अपने चार्ज अंतर्गत आने वाले सभी मकानों की गणना एवं सूचीकरण का कार्य ससमय पूरा कराने का निर्देश दिया गया है। कोई भी मकान किसी भी परिस्थिति में छूटे नहीं इसके लिए समय-समय पर प्रशिक्षण के साथ-साथ फील्ड भ्रमण पर जोर दिया गया। इसे लेकर प्रधान जनगणना पदाधिकारी-सह- जिलाधिकारी सौरभ जोरवाल ने बताया कि जनगणना कर्मी जब आपके घर आएं तो सबसे पहले एस.ई.आई. डी (स्वगणना पहचान संख्या) उपलब्ध कराते हुए उसे प्रगणकों से सत्यापित कराएं साथ ही सही और पूर्ण जानकारी उपलब्ध करायें। यह जानकारी गोपनीय रखी जाती है। जनगणना अधिनियम 1948 के तहत यह अनिवार्य है। वहीं जिला नोडल पदाधिकारी (जनगणना कोषांग) सह जिला सांख्यिकी पदाधिकारी अवधेश कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि जिले में कुल 37 चार्ज हैं जिसमें 27 ग्रामीण, 10 शहरीय चार्ज के अंतर्गत 9591 गणना ब्लॉक्, 9511 प्रगणक एवं 1621 पर्यवेक्षक कार्य कर रहे हैं, जिसमें अबतक कुल स्वगणना पहचान संख्या (इस ई आई डी ) 91727 प्राप्त हुआ है जिसपर तेजी से प्रगणकों द्वारा कार्य किया जा रहा है। यह कार्य अपने तय समय सीमा 31 मई 2026 तक पूरा कर लिया जायेगा। इस अवसर पर हेमंत कुमार , रामध्यान सिंह, द्वय - राज्य पर्यवेक्षक- जनगणना, पूर्वी चम्पारण, प्रबंधन कोषांग से गोपाल मिश्र, अमरेश कुमार, कमलेश कुमार सिंह आदि उपस्थित रहे।

# एसएनएस विद्यापीठ लॉ कॉलेज में भव्य विधिक सहायता केंद्र की स्थापना एवं प्रथम इंट्रा मूट कोर्ट प्रतियोगिता का सफल आयोजन

**बीएनएम @ मोतिहारी**

**मोतिहारी**। एसएनएस विद्यापीठ लॉ कॉलेज, बलगंगा रघुनाथपुर, मोतिहारी द्वारा विधिक शिक्षा एवं सामाजिक न्याय के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए महाविद्यालय परिसर में विधिक सहायता केंद्र (लीगल एड क्लिनिक) की स्थापना की गई। इस विधिक सहायता केंद्र का उद्घाटन जिला विधिक सेवा प्राधिकरण (DLSA), मोतिहारी के सचिव एवं न्यायिक पदाधिकारी श्री नितिन त्रिपाठी द्वारा किया गया। उद्घाटन समारोह अत्यंत गरिमामयी वातावरण में सम्पन्न हुआ, जिसमें न्यायिक क्षेत्र, शिक्षाजगत एवं समाज के अनेक सम्मानित व्यक्तियों की उपस्थिति रही। इस अवसर पर न्यायिक मजिस्ट्रेट श्री सचिन वत्स भी विशेष रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान दोनों न्यायिक अधिकारियों ने विद्यार्थियों एवं उपस्थित लोगों को विधिक जागरूकता, संवैधानिक मूल्यों एवं POSH Act से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की। अपने संबोधन में श्री नितिन त्रिपाठी ने कहा कि विधिक सहायता केंद्र समाज के अंतिम व्यक्ति तक न्याय पहुँचाने का एक सशक्त माध्यम है। उन्होंने विद्यार्थियों को सामाजिक उत्तरदायित्व एवं न्यायिक मूल्यों के प्रति संवेदनशील रहने के लिए प्रेरित किया। वहीं श्री सचिन वत्स ने कहा कि कानून की जानकारी एवं विधिक जागरूकता समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने के लिए अत्यंत आवश्यक है। विधिक सहायता केंद्र के उद्घाटन के उपरांत महाविद्यालय में प्रथम इंट्रा मूट Court प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने न्यायालयीन प्रक्रिया का प्रभावशाली प्रदर्शन करते हुए अपने विधिक ज्ञान, तार्किक क्षमता, अनुसंधान कौशल एवं वकालती शैली से सभी को प्रभावित किया। प्रतियोगिता का सफल संचालन सुप्रिया कुमारी और रौनक कुमार द्वारा किया गया, जबकि निर्णायक की भूमिका श्री नितिन त्रिपाठी ने निभाई। प्रतियोगिता में विभिन्न टीमों के बीच कड़ा मुकाबला देखने को मिला। साहिल खान एवं अनुष्का ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए विजेता का स्थान प्राप्त किया, जबकि दीपा कुमारी एवं प्रियंशु कुमार उपविजेता घोषित किए गए। इसके अतिरिक्त बेस्ट स्पीकर अवार्ड साहिल खान, बेस्ट रिसर्चर अवार्ड दीपा कुमारी तथा बेस्ट मेमोरियल अवार्ड श्याम कुमार को प्रदान किया गया। विजेता एवं अन्य प्रतिभागियों को पुरस्कार एवं प्रमाण-पत्र देकर सम्मानित किया गया। मूट कोर्ट प्रतियोगिता के समन्वयक सहायक प्रोफेसर आदित्य द्विवेदी एवं सहायक प्रोफेसर अभय प्रसाद रहे, जिनके मार्गदर्शन एवं प्रयासों से कार्यक्रम सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। परिणाम घोषणा अभय प्रसाद द्वारा की गई तथा आदित्य द्विवेदी द्वारा कार्यक्रम के दौरान अतिथियों का अभिनंदन एवं सम्मान किया गया। महाविद्यालय के संस्थापक एवं चेयरमैन श्री आलोक शर्मा ने सभी अतिथियों एवं न्यायिक अधिकारियों को मोमेंटो एवं बुके देकर सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि स्थापित विधिक सहायता केंद्र समाज के जरूरतमंद एवं वंचित वर्गों को निःशुल्क विधिक सहायता एवं परामर्श उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। साथ ही यह केंद्र विद्यार्थियों को व्यावहारिक विधिक शिक्षा, सामाजिक सेवा एवं विधिक जागरूकता अभियानों से जोड़ने का कार्य करेगा। कार्यक्रम के अंत में पवन सिंह द्वारा धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया गया। महाविद्यालय परिवार ने सभी अतिथियों, न्यायिक अधिकारियों, शिक्षकों एवं प्रतिभागियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए भविष्य में भी ऐसे शैक्षणिक एवं विधिक कार्यक्रमों के आयोजन की प्रतिबद्धता व्यक्त की।

## डिप्लोमा-सर्टिफिकेट प्रवेश प्रतियोगिता परीक्षा को लेकर प्रशासनिक तैयारी पूरी

**बीएनएम @ मोतिहारी**

**मोतिहारी**। बिहार संयुक्त प्रवेश प्रतियोगिता परीक्षा पर्षद, पटना के निर्देश पर जिले में डिप्लोमा-सर्टिफिकेट प्रवेश प्रतियोगिता परीक्षा-2026 को शांतिपूर्ण, स्वच्छ एवं कदाचारमुक्त वातावरण में संपन्न कराने की तैयारी पूरी कर ली गई है। इसको लेकर जिला शिक्षा पदाधिकारी राजन कुमार गिरी की अध्यक्षता में समाहरणालय स्थित डॉ. राजेंद्र प्रसाद भवन सभागार में प्रतिनियुक्त दंडाधिकारी, पुलिस पदाधिकारी एवं केंद्राधीक्षकों की संयुक्त ब्रीफिंग आयोजित की गई। बताया गया कि परीक्षा 23 एवं 24 मई 2026 को आयोजित होगी। जिले में कुल 15 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। 23 मई को 8105 तथा 24 मई को 8963 परीक्षार्थी परीक्षा में शामिल होंगे। दोनों दिन परीक्षा एकल पाली में पूर्वाह्न 11 बजे से अपराह्न 1:15 बजे तक आयोजित होगी। जिला शिक्षा पदाधिकारी ने सभी केंद्रों पर सीसीटीवी, जैमर, बिजली, पेयजल एवं साफ-सफाई की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। सभी परीक्षा कक्षों में घड़ी लगाने एवं समय का मिलान करने को कहा गया। प्रतिनियुक्त स्टेटिक दंडाधिकारी एवं पुलिस बल को सुबह 6:30 बजे तक केंद्रों पर पहुंचने का निर्देश दिया गया है। परीक्षार्थियों का प्रवेश सुबह 8 बजे से शुरू होगा तथा 10:30 बजे के बाद किसी को प्रवेश नहीं मिलेगा। परीक्षार्थियों की दो चरणों में फ्रिस्किंग की जाएगी। परीक्षा केंद्र के अंदर मोबाइल फोन, घड़ी, बेल्ट, आभूषण, इलेक्ट्रॉनिक उपकरण समेत अन्य प्रतिबंधित सामग्री ले जाने पर रोक रहेगी। अभ्यर्थियों को जूते की जगह चप्पल पहनकर आने की अनुमति दी गई है। साथ ही प्रवेश पत्र, मैट्रिक एडमिट कार्ड अथवा स्कूल आईडी कार्ड एवं नीला या काला बॉल प्वाइंट पेन लाना अनिवार्य होगा। महिला अभ्यर्थियों की जांच के लिए महिला कर्मियों की तैनाती की गई है। परीक्षा केंद्रों के 200 मीटर दायरे में दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 163 के तहत निषेधाज्ञा लागू रहेगी। फोटोस्टेट एवं साइबर कैफे की दुकानें परीक्षा अवधि में बंद रहेंगी। सभी केंद्रों पर जैमर लगाने, वीडियोग्राफी कराने एवं बायोमेट्रिक अटेंडेंस लेने का भी निर्देश दिया गया है। परीक्षा के सफल संचालन के लिए जिला नियंत्रण कक्ष स्थापित किया गया है, जो दूरभाष संख्या 06252-242418 पर कार्यरत रहेगा। संयुक्त ब्रीफिंग में अपर समाहर्ता विकास कुमार समेत कई प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारी उपस्थित रहे।

## दत्तकग्रहण समारोह आयोजित, पांच माह की बालिका को मिला नया परिवार

**बीएनएम @ मोतिहारी**

**मोतिहारी**। नगर के बाईपास रोड स्थित विशिष्ट दत्तकग्रहण संस्थान में गुरुवार को आयोजित दत्तकग्रहण समारोह में पांच माह की एक बालिका "रागनी" (काल्पनिक नाम) को भावी दत्तक माता-पिता को सौंपा गया। बालिका को जिला बाल संरक्षण इकाई के सहायक निदेशक अक्षय कुमार ने विधिवत दंपति को सुपुर्द किया। जानकारी के अनुसार, बालिका के भावी दत्तक माता-पिता तमिलनाडु निवासी हैं। बालिका के पिता मर्चेंट नेवी में थर्ड इंजीनियर के पद पर कार्यरत हैं। समारोह के दौरान बाल संरक्षण पदाधिकारी, जिला बाल संरक्षण इकाई के कर्मी एवं विशिष्ट दत्तकग्रहण संस्थान के कर्मचारी उपस्थित रहे। बताया गया कि वर्ष 2026 में यह चौथा बच्चा है, जिसे दत्तकग्रहण के लिए सौंपा गया है। वर्तमान में 0 से 6 वर्ष आयु वर्ग के दो शिशु विशिष्ट दत्तकग्रहण संस्थान, मोतिहारी में आवासित हैं। जिला बाल संरक्षण इकाई ने बताया कि दत्तकग्रहण के इच्छुक दंपति केन्द्रीय दत्तकग्रहण संसाधन प्राधिकरण (सी.एस.आर.ए) के पोर्टल https://cara.wcd.gov.in पर निबंधन करा कर बच्चा गोद ले सकते हैं। केन्द्रीय दत्तकग्रहण संसाधन प्राधिकरण भारत सरकार के अधीन देशीय एवं अंतरदेशीय गोद लेने की प्रक्रिया की निगरानी करने वाली नामित संस्था है। इसके मार्गदर्शन में जिला स्तर पर विशिष्ट दत्तकग्रहण संस्थान एवं जिला बाल संरक्षण इकाई द्वारा दत्तकग्रहण प्रक्रिया पूरी कराई जाती है।

SHANTINIKETAN JUBILEE SCHOOL
MOTIHARI, E. CHAMPARAN
SHANTINIKETAN JUBILEE SCHOOL
Shantipuri, Rahman Colony, Motihari, E. Champaran - 845401

## संक्षिप्त समाचार

### श्री शिव शक्ति रुद्र महायज्ञ को सफल बनाने को लेकर बैठक आयोजित

**बीएनएम @ बेतिया।** चनपटिया प्रखंड अंतर्गत वृंदावन नर्वदेश्वर मठ, रानीपुर रमपुरवा में श्री शिव शक्ति रुद्र महायज्ञ को सफल बनाने को लेकर एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में यज्ञ की तैयारी, आयोजन व्यवस्था एवं श्रद्धालुओं की सुविधा को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में वृंदावन धाम मथुरा (उत्तर प्रदेश) से पधारे आचार्य श्याम शंकर शास्त्री महाराज विशेष रूप से उपस्थित रहे। उन्होंने यज्ञ के आध्यात्मिक महत्व पर प्रकाश डालते हुए आयोजन को सफल बनाने में सभी लोगों से सहयोग की अपील की। इस अवसर पर कृष्णा प्रसाद, स्वतंत्र मीडिया परिषद पत्रकार संघ के प्रदेश अध्यक्ष आफताब रौशन, पूर्व मुखिया धनंजय प्रसाद, मुखिया पति राजेश सिंह, वार्ड अध्यक्ष विनीत मिश्रा, पूर्व प्रमुख अरविन सिंह, रामायण कुमार सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे। बैठक में निर्णय लिया गया कि महायज्ञ को भव्य एवं व्यवस्थित रूप से संपन्न कराने के लिए विभिन्न समितियों का गठन किया जाएगा तथा स्थानीय लोगों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी।

### भारतीय भाषा समर कैंप ऑनलाइन प्रश्नोत्तरी 2026 का सफल आयोजन

- भारतीय भाषाओं के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए टीचर्स ऑफ बिहार की बड़ी पहल

**बीएनएम @ पटना/मोतिहारी।** शिक्षा के क्षेत्र में सकारात्मक बदलाव के लिए कार्यरत संस्था टीचर्स ऑफ बिहार द्वारा आयोजित "भारतीय भाषा समर कैंप : विशेष ऑनलाइन प्रश्नोत्तरी 2026" का सफलतापूर्वक समापन हो गया। इस आयोजन ने डिजिटल शिक्षा और भारतीय भाषाओं के प्रचार-प्रसार के क्षेत्र में नई पहचान बनाई है। कार्यक्रम में बिहार सहित विभिन्न राज्यों के शिक्षकों, विद्यार्थियों और शिक्षा प्रेमियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। आयोजन के दौरान 4500 से अधिक प्रतिभागियों को डिजिटल प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए। प्रश्नोत्तरी के माध्यम से भारतीय भाषाओं के महत्व, रचनात्मक शिक्षा और तकनीक आधारित शिक्षण को बढ़ावा देने पर विशेष जोर दिया गया। संस्था के संस्थापक शिव कुमार तथा तकनीकी टीम के प्रमुख ई. शिवेंद्र प्रकाश सुमन ने आयोजन की सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि संस्था का उद्देश्य तकनीक के माध्यम से शिक्षा को घर-घर तक पहुंचाना है। उन्होंने कहा कि इस प्रश्नोत्तरी के जरिए भारतीय भाषाओं की समृद्धि को सामने लाने के साथ यह संदेश भी दिया गया कि डिजिटल मंचों का सही उपयोग शिक्षा के क्षेत्र में बड़ा बदलाव ला सकता है। प्रदेश प्रवक्ता रंजेश कुमार एवं प्रश्नोत्तरी निर्माता-सह-प्रदेश मीडिया संयोजक मृत्युंजय कुमार ने कहा कि इस आयोजन ने बिहार ही नहीं बल्कि अन्य राज्यों के हजारों शिक्षकों, विद्यार्थियों और शिक्षा से जुड़े लोगों को एक मंच पर जोड़ने का कार्य किया है। उनका कहना था कि भारतीय भाषाओं के प्रति जागरूकता बढ़ाने और शिक्षा को रोचक एवं रचनात्मक गतिविधियों से जोड़ने का उद्देश्य सफल रहा। कार्यक्रम के संयोजक केशव कुमार ने बताया कि समर कैंप प्रश्नोत्तरी में साढ़े चार हजार से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लेकर सफलतापूर्वक प्रमाण-पत्र प्राप्त किए। उन्होंने इसे टीम के सामूहिक प्रयास, समर्पण और शिक्षा के प्रति प्रतिबद्धता का परिणाम बताया। "शिक्षा, नवाचार, सहयोग और सकारात्मक बदलाव" के मूल मंत्र के साथ टीचर्स ऑफ बिहार लगातार शिक्षकों के सम्मान और शिक्षा के उत्थान के लिए कार्य कर रहा है। संस्था ने सभी प्रतिभागियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए भविष्य में भी ऐसे आयोजनों से जुड़ने की अपील की है।

### बिहार में जमीन रजिस्ट्री पर सरकार का बड़ा एक्शन

**बीएनएम @ पटना।** रेवेन्यू एंड लैंड रिफार्म डिपार्टमेंट, बिहार ने जमीन रजिस्ट्री, दाखिल-खारिज और म्यूटेशन में फैले भ्रष्टाचार पर बड़ी कार्रवाई करते हुए नया हाई-टेक निगरानी तंत्र तैयार किया है। सरकार ने पहली बार ईओयू के सीधे नियंत्रण में एक विशेष सेल का गठन किया है, जो अंचल कार्यालयों में चल रहे भ्रष्टाचार और भू-माफियाओं के नेटवर्क पर निगरानी रखेगा। राजस्व एवं भूमि सुधार मंत्री दिलीप जायसवाल की पहल पर गठित यह विशेष सेल पटना मुख्यालय से संचालित होगा। इसे औचक छापेमारी, फर्जी दस्तावेजों की जांच और दोषियों के खिलाफ सीधे एफआईआर दर्ज कराने तक के अधिकार दिए गए हैं। सरकार का मानना है कि राज्य में जमीन विवाद और दाखिल-खारिज में गड़बड़ी की बड़ी वजह अंचल कार्यालयों में सक्रिय दलाल और भ्रष्ट नेटवर्क हैं। लंबे समय से शिकायतें मिल रही थीं कि बिना रिश्वत दिए जमीन की रसीद, म्यूटेशन या जमाबंदी से जुड़े काम समय पर नहीं हो रहे हैं। नई व्यवस्था के तहत विशेष सेल संदिग्ध मामलों की गोपनीय जांच करेगा। साथ ही जरूरत पड़ने पर अधिकारियों की संपत्ति, बैंक खातों और डिजिटल रिकॉर्ड की भी पड़ताल की जाएगी। मंत्री डॉ. दिलीप कुमार जायसवाल ने कहा कि दाखिल-खारिज, परिमार्जन, भूमि मापी, भू-लगान और अन्य ऑनलाइन राजस्व सेवाओं में लगातार गड़बड़ी और भ्रष्टाचार की शिकायतें मिल रही थीं। इससे आम लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था। उन्होंने स्पष्ट कहा कि अब भ्रष्टाचार में शामिल अधिकारियों और कर्मचारियों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। साथ ही सभी राजस्व कार्यों को समयबद्ध और पारदर्शी तरीके से पूरा करने के निर्देश दिए गए हैं। मंत्री ने कहा कि राज्य सरकार राजस्व प्रशासन को तकनीक आधारित और पूरी तरह जवाबदेह बनाने की दिशा में लगातार काम कर रही है। इस पहल से आम लोगों का भरोसा बढ़ेगा और राजस्व सेवाओं में पारदर्शिता सुनिश्चित होगी।

### जल निकासी व्यवस्था दुरुस्त रखने में करें सहयोग : महापौर

**बीएनएम @ बेतिया:** बेतिया नगर निगम क्षेत्र को बरसात में जलजमाव से बचाने के लिए नगर निगम प्रशासन लगातार नाला उड़ाही और सफाई अभियान चला रहा है। इसी क्रम में वार्ड-15 स्थित किला मोहल्ला में चल रहे मुख्य नाला की मैनुअल सफाई कार्य का महापौर गरिमा देवी सिकारिया ने अधिकारियों और सफाई कर्मियों के साथ निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने नालों की सफाई, गाद निकासी और जल निकासी व्यवस्था का जायजा लेते हुए कार्य में तेजी और गुणवत्ता बनाए रखने का निर्देश दिया। महापौर ने मोहल्लावासियों से अपील करते हुए कहा कि बरसात के दौरान शहर को जलजमाव से बचाने में आम नागरिकों की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि यदि लोग नाला और नालियों में कूड़ा-कचरा फेंकने से परहेज करें तो जल निकासी व्यवस्था बेहतर बनी रहेगी और जलजमाव की समस्या काफी हद तक समाप्त हो जाएगी।

### रासपुर पतासिया पूरब पैक्स चुनाव को लेकर सरगर्मी तेज

**बीएनएम @ समस्तीपुर!** मोहिउद्दीन नगर प्रखंड क्षेत्र के रासपुर पतासिया पूरब प्राथमिक कृषि साख समिति (पैक्स) चुनाव को लेकर राजनीतिक सरगर्मी तेज हो गई है। अध्यक्ष पद के लिए गुरुवार को दो प्रत्याशियों ने अपने-अपने समर्थकों के साथ नामांकन पर्चा दाखिल किया। नामांकन करने वालों में निवर्तमान पैक्स अध्यक्ष जय कृष्ण राणा अमरीश उर्फ राणा संजीव तथा राणा कमलेश सिंह शामिल हैं। दोनों प्रत्याशी अपने समर्थकों के साथ उत्साहपूर्ण माहौल में नामांकन स्थल पहुंचे, जहां समर्थकों ने फूल-मालाओं से उनका भव्य स्वागत किया। नामांकन दाखिल करने के बाद दोनों प्रत्याशियों ने अपनी-अपनी जीत का दावा करते हुए कहा कि उन्हें क्षेत्र के किसानों और पैक्स सदस्यों का भरपूर समर्थन मिल रहा है। दोनों उम्मीदवारों ने चुनाव जीतने के बाद क्षेत्र के विकास और किसानों के हित में कार्य करने का भरोसा दिलाया।क्सपै चुनाव को लेकर क्षेत्र में अब चुनावी माहौल पूरी तरह गर्म हो चुका है और समर्थकों के बीच चर्चाओं का दौर तेज हो गया है।

# गायघाट में बरगद की डाल गिरने से मजदूर की मौत, एक गंभीर

» हादसे के बाद हाईवे जाम, कार भी क्षतिग्रस्त

बीएनएम @ हरसिद्धि

**हरसिद्धि।** थाना क्षेत्र के गायघाट चौक के समीप गुरुवार को एक दर्दनाक हादसे में बरगद के पेड़ की विशाल डाल टूटकर मजदूरों पर गिर गई। हादसे में एक मजदूर की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दूसरा गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना से नाराज ग्रामीणों ने अरेराज-मोतिहारी स्टेट हाईवे को जाम कर विरोध प्रदर्शन किया। जानकारी के अनुसार गायघाट चौक स्थित किसान फुलेना सिंह के दरवाजे पर मजदूर मक्का का बाल छीलने का कार्य कर रहे थे। इसी दौरान सड़क किनारे स्थित पुराने बरगद के पेड़ की भारी डाल अचानक टूटकर नीचे गिर पड़ी। इसकी चपेट में आने से गायघाट घटुली निवासी 58 वर्षीय महेंद्र महतो की घटनास्थल पर ही मौत हो गई, जबकि प्रभु महतो गंभीर रूप से घायल हो गए। आसपास काम कर रही चार महिला मजदूर समेत अन्य लोग बाल-बाल बच गए। घायल प्रभु महतो को स्थानीय लोगों की मदद से इलाज के लिए मोतिहारी सदर अस्पताल भेजा गया। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि घटना के समय मौसम सामान्य था और तेज हवा या आंधी नहीं चल रही थी। हादसे में समीप स्थित एक सर्विसिंग सेंटर पर खड़ी कार भी बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। हालांकि सर्विसिंग सेंटर के कर्मी और कार मालिक सुरक्षित बच गए। घटना की सूचना मिलते ही डायल 112 की पुलिस टीम मौके पर पहुंची। बाद में बीडीओ गुलशन कुमार, सीओ अरविंद कुमार चौधरी तथा थानाध्यक्ष सुनील कुमार ने पहुंचकर लोगों को समझाया और सड़क जाम समाप्त कराया। स्थानीय मुखिया बबिता कुमारी ने मृतक एवं घायल मजदूर के परिजनों को आपदा राहत कोष से सहायता देने की मांग की है। सीओ अरविंद कुमार चौधरी ने बताया कि मृतक के परिवार को श्रम कार्ड एवं पारिवारिक लाभ योजना का लाभ दिलाया जाएगा। साथ ही आपदा विभाग को रिपोर्ट भेजी गई है, ताकि स्वीकृति मिलने पर आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई जा सके। ग्रामीणों ने सड़क किनारे लगे जर्जर और पुराने पेड़ों को जल्द हटाने की मांग की है। उनका कहना है कि ऐसे पेड़ भविष्य में भी बड़े हादसों का कारण बन सकते हैं। बताया जाता है कि करीब दो वर्ष पूर्व महेंद्र महतो के पुत्र अनिल महतो की भी गोवा में सड़क दुर्घटना में मौत हो गई थी। अब इस हादसे के बाद परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है।

## शराब के खिलाफ कार्रवाई में कारोबारी गिरफ्तार, पांच लीटर देसी शराब बरामद

बीएनएम @ हरसिद्धि

**हरसिद्धि।** हरसिद्धि थाना पुलिस ने शराब के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत कार्रवाई करते हुए एक शराब कारोबारी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उसके पास से पांच लीटर देसी चुलाई शराब बरामद की है। गिरफ्तार आरोपित की पहचान मठलोहियार नुनियावा टोला निवासी दिनेश कुमार, पिता राघो यादव के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार थाना क्षेत्र में अवैध शराब निर्माण, बिक्री और तस्करी के खिलाफ लगातार छापेमारी अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में पुलिस को गुप्त सूचना मिली कि मठलोहियार नुनियावा टोला में अवैध रूप से देसी शराब का कारोबार किया जा रहा है। सूचना के आधार पर हरसिद्धि थाना पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए छापेमारी की। पुलिस को देखते ही कारोबारी भागने का प्रयास करने लगा, लेकिन जवानों ने उसे पकड़ लिया। तलाशी के दौरान उसके पास से पांच लीटर देसी चुलाई शराब बरामद की गई। हरसिद्धि थानाध्यक्ष सुनील कुमार ने बताया कि गिरफ्तार आरोपित के विरुद्ध उत्पाद अधिनियम के तहत प्राथमिकी दर्ज कर अग्रिम कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने कहा कि शराब कारोबारियों के विरुद्ध अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा।

## आर्केस्ट्रा से गर्भवती सहित 6 लड़कियां मुक्त, पांच हिरासत मे

बीएनएम @ बेतिया

**बेतिया :** मानवतस्करी विरोधी अभियान के तहत पुलिस की जिला एंटी ट्रैफिक यूनिट, मिशन मुक्ति फाउंडेशन एवं चाइल्ड लाइन के सहयोग से बीती रात शनिचरी थाने के दो जगह पर संचालित एक्स्ट्रा में छापेमारी कर पश्चिम बंगाल की पांच एवं सीतामढ़ी की एक किशोरी को मुक्त कराया गया। इसके साथ ही पांच युवकों को भी हिरासत में लेकर पुलिस पूछताछ कर रही है। मुक्त लड़कियों में से पश्चिम बंगाल की 17 वर्षीय किशोरी जो गर्भवती है,सभी को मेडिकल जांच के लिए गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज सहअस्पताल भेजा गया। पूछताछ में किशोरियों ने बताया है कि इन्हें आर्केस्ट्रा डांस करने के लिए बुलाया गया था,जिस दिन डांस का प्रोग्राम बुक नहीं होता था।उस रात संचालक उनसे देह व्यापार कराता था। सदर एसडीपीओ 2,रजनीशकांत प्रियदर्शी ने संवाददाता को बताया कि शनिचरी थाना के बहुवर्वा गांव में आर्केस्ट्रा संचालक जोगापट्टी के मच्छरगावा निवासी,श्यामबाबू गुप्ता के दो ठिकाने हैं,एक में ताला बंद मिला,दूसरे ठिकाने से तीन नाबालिक लड़कियों के साथ संचालक समेत चार युवकों को पकड़ा गया। शनिचरी नया बस्ती में संचालित एक आर्केस्ट्रा में छापेमारी कर गर्भवती किशोरी के साथ दो युवक को पकड़ा गया,इन लड़कियों का न्यायालय में बयान दर्ज कराया जाएगा।न्यायालय के आदेश के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। इस अभियान में एंटीट्रैफिक यूनियन के अभिराम सिंह, महिला थाने के खुशबू कुमारी चाइल्ड के को ऑर्डिनेटर, आलोक सिंह,शनिचरी थाना अध्यक्ष,संध्या कुमारी के साथ अन्य सदस्य शामिल थे।

# किसान की मौत मामले में हत्या कांड दर्ज, महिला गिरफ्तार, मुख्य आरोपित ने किया आत्मसमर्पण

» मक्का की बकाया राशि को लेकर हुई थी मारपीट, सड़क जाम के बाद तेज हुई पुलिस कार्रवाई

बीएनएम @ हरसिद्धि

**हरसिद्धि।** मक्का की बकाया राशि मांगने गए किसान मनोज कुमार सिंह की पिटाई के बाद हुई मौत मामले में पुलिस कार्रवाई तेज हो गई है। हरसिद्धि थाना कांड संख्या 269/26 दिनांक 17 मई 2026 में भारतीय न्याय संहिता की धारा 103(1) के तहत दर्ज मामले में पुलिस ने एक महिला अभियुक्त को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया है, जबकि मुख्य आरोपित ने न्यायालय में आत्मसमर्पण कर दिया। गिरफ्तार अभियुक्त की पहचान घीवाढ़ाड़ वार्ड संख्या-6 निवासी नजमा खातून, पति अरमान अंसारी के रूप में हुई है। वहीं मामले के प्राथमिक अभियुक्त सुजीत कुमार, पिता भोला साह, निवासी घीवाढ़ाड़ थाना हरसिद्धि ने बुधवार को माननीय न्यायालय में आत्मसमर्पण कर दिया। बताते चलें कि पहाड़पुर थाना क्षेत्र के सिसवा कोरड वार्ड संख्या-9 निवासी किसान मनोज कुमार सिंह (48) की इलाज के दौरान मौत हो गई थी। परिजनों के अनुसार हरसिद्धि थाना क्षेत्र के घीवाढ़ाड़ निवासी मक्का व्यवसायी भोला साह पर करीब एक लाख छप्पन हजार नौ सौ बीस रुपये बकाया था। रुपये की मांग करने पर मनोज कुमार सिंह को व्यवसायी के घर बुलाया गया, जहां उनके साथ कथित रूप से बेरहमी से मारपीट की गई थी। घटना के बाद ग्रामीणों और परिजनों ने हरसिद्धि थाना के सामने छपवा-अरेराज मुख्य सड़क को जाम कर आरोपितों की गिरफ्तारी तथा दोषी पुलिसकर्मियों पर कार्रवाई की मांग की थी। जाम के कारण कई घंटों तक यातायात प्रभावित रहा था। हरसिद्धि थानाध्यक्ष सुनील कुमार ने बताया कि मामले में प्राथमिकी दर्ज कर पुलिस लगातार कार्रवाई कर रही है। उन्होंने कहा कि एक महिला अभियुक्त को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेजा गया है, जबकि मुख्य आरोपित ने न्यायालय में आत्मसमर्पण किया है। अन्य नामजद आरोपितों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी जारी है। अरेराज अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी रवि कुमार ने बताया कि मामले की जांच गंभीरता से की जा रही है तथा दोषी पाए जाने वालों पर विधिसम्मत कार्रवाई की जाएगी।

Affiliation No. 330180
www.sjsmotihari.org
SHANTINIKETAN JUBILEE SCHOOL
Affiliated to CBSE, New Delhi, Up to 10+2
Organised by : Jubelian Trust
ADMISSION IS GOING ON
FOR CLASS 11TH
(ARTS/SCIENCE/COMMERCE)
ALL STREAM.
HURRY UP! SEAT LIMITED!!
SCHOOL HIGHLIGHTS
A/C Class Rooms with CCTV Surveillance.
A Centre of Academic Excellence.
Learning Management System.
Highly Qualified and Experienced Staffs.
Joyful and Digitalized Learning Environment.
Thematic and Stem Based Integrated Curriculum.
Pollution Free and Natural Surrounding.
Well Equipped Chemistry, Physics, Biology Laboratories.
SHAPING FUTURES BUILDING NATION
DISCIPLINE | VALUES | EXCELLENCE
Mob.: 9931525844 (O)
7870780805 (H)
Shantipuri, Rahman Colony, Motihari, E. Champaran - 845401

# नजरअंदाज करना जोखिम मोल लेना

चीन पर भारत की प्रमुख निर्भरता उपभोक्ता वस्तुओं के मामले में नहीं, बल्कि घरेलू उत्पादन के क्षेत्र में है। इसका मतलब है कि भारत का कारखाना क्षेत्र चीन से आए पाट-पुर्जों और रासायनिक सामग्रियों पर अत्यधिक निर्भर हो चुका है। चीन पर भारत की कारोबारी निर्भरता चिंताजनक स्तर तक पहुंच गई है। सवाल सिर्फ बढ़ते व्यापार घाटे का नहीं है, जो पिछले वित्त वर्ष में 112.16 बिलियन डॉलर तक पहुंच गया। उससे बड़ा मुद्दा भारतीय मैनुफैक्चरिंग की चीनी आपूर्ति शृंखला पर बढ़ी निर्भरता है। थिंक टैंक ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव (जीटीआरआई) ने अपने ताजा विश्लेषण में इस ओर ध्यान खींचा है कि 2025-26 में चीन से भारत का कुल आयात 131.63 बिलियन डॉलर का रहा, जिसमें 98.5 प्रतिशत हिस्सा औद्योगिक उत्पादों का था। भारत के कुल आयात में चीन का हिस्सा 16 फीसदी तक पहुंच गया है, लेकिन सिर्फ औद्योगिक उत्पादों पर ध्यान दें, तो उसमें चीनी आयात का हिस्सा 30.8 फीसदी है। इसके भीतर भी इलेक्ट्रॉनिक्स, मशीनरी, कंप्यूटर और ऑर्गेनिक केमिकल्स पर गौर करें, तो भारत के कुल आयात में चीन का हिस्सा 66 प्रतिशत है। इन आंकड़ों से जाहिर है कि चीन पर भारत की प्रमुख निर्भरता उपभोक्ता वस्तुओं के मामले में नहीं, बल्कि घरेलू उत्पादन के क्षेत्र में है। साधारण भाषा में इसका मतलब है कि भारत का कारखाना क्षेत्र चीन से आए पाट-पुर्जों और रासायनिक सामग्रियों पर अत्यधिक निर्भर हो चुका है। इनमें इलेक्ट्रॉनिक पाट-पुर्जे, विद्युत वाहनों की बैटरियां, सोलर मॉड्यूल, औषधियों में इस्तेमाल होने वाले एपीआई, और खास रसायन शामिल हैं। किसी एक सप्लायर पर इतनी निर्भरता स्वस्थ स्थिति नहीं मानी जा सकती। खास कर उस आपूर्तिकर्ता पर तो बिल्कुल नहीं, जिसके साथ संबंधों की पृष्ठभूमि में तनाव पलता- पनपता रहता है। भू-राजनीतिक या व्यापारिक प्रतिस्पर्धा संबंधी कारणों से यह तनाव कभी भी अनियंत्रित हो सकता है। फिलहाल सूरत यह है कि चीन भारत के घरेलू उद्योग को अस्त-व्यस्त करने की हैसियत में है। अतः भारत के नीति-निर्माताओं को जीटीआरआई के इस सुझाव को गंभीरता से लेना चाहिए कि देश के अंदर क्षमता विकसित करना और आपूर्ति शृंखला को एक के बजाय अनेक स्रोतों से जोड़ना इस वक्त भारत के सामने मौजूद प्रमुख चुनौती है। जीटीआरआई के मुताबिक किसी भी महत्त्वपूर्ण क्षेत्र में किसी एक देश पर आयात निर्भरता 30 फीसदी से ज्यादा नहीं होनी चाहिए। यह तार्किक सुझाव है, जिसे नजरअंदाज करना जोखिम मोल लेना होगा।

# तमिलनाडु में तमिल राजनीति के उदय से उम्मीद की नई किरणें

**विनोद कुमार सिंह**

*तमिलनाडु विधान सभा चुनाव 26 के बदलते जनादेश ने तमिल द्रविड़ राजनीति से "नई तमिल राजनीति" भारतीय लोकतंत्र को दिया नया संदेश* वैश्विक राजनीतिक पटल पर सैदव ही भारत व भारतीय लोकतंत्र की चर्चा होती रहती है।भारत में संविधान ही सर्वोपरि है।जो अपने नागरिको मौलिक अधिकारो व कर्तव्यों की स्पष्ट उल्लेख किया है। यहाँ के नागरिकों को मताधिकार दिया है।भारतीय लोकतंत्र की सबसे बड़ी ताकत रही है कि यहाँ जनता समय-समय पर सत्ता, समीकरण और राजनीतिक विचार घारों व धारणाओं को बदलती रही है।भारतीय राजनीति में कोई भी राजनीतिक दल की शक्ति स्थायी नहीं होती।कभी राष्ट्रीय राजनीतिक दलों का प्रभाव चरम पर होता है,तो कभी क्षेत्रीय अस्मिता नई राजनीतिक धारा बनकर उभरती है। विगत दिनों दक्षिण भारत का तमिलनाडु राज्य इसी राजनीतिक परिवर्तन का सबसे बड़ा उदाहरण रहा है।सर्वविदित रहे कि सन् 1967 में जब सी एन अन्ना दुई के नेतृत्व में द्रविड़ राजनीति ने कांग्रेस के लंबे राजनीतिक वर्चस्व को समाप्त कर सत्ता के सिंघासन हासिल की थी,तब शायद किसी ने कल्पना भी नहीं की होगी कि आने वाले दशकों में तमिलनाडु भारतीय राजनीति की सबसे प्रभावशाली राजनीतिक प्रयोगशाला बन जाएगा।उस दौर में द्रविड़ आंदोलन केवल चुनाव जीतने का माध्यम नहीं था,बल्कि सामाजिक न्याय, भाषायी अस्मिता,क्षेत्रीय स्वाभिमान और राजनीतिक आत्मसम्मान का बड़ा आंदोलन बन चुका था।तमिल समाज ने पहली बार यह महसूस किया कि दिल्ली की राजनीति से अलग उनकी अपनी भी एक राजनीतिक पहचान हो सकती है।यही वह दौर था जब राजनीति और सिनेमा ने मिलकर दक्षिण भारत में एक नई सामाजिक चेतना को जन्म दिया।तमिल फिल्मों के संवाद केवल मनोरंजन नहीं रहे,बल्कि राजनीतिक संदेश बन गए।फिल्मी के सुनहरे पर्दे पर गरीबों के रक्षक और अन्याय के विरुद्ध लड़ने वाले नायक जनता की वास्तविक राजनीति के नायक बनते चले गए।

इसी राजनीतिक-सांस्कृतिक वातावरण से एम जी रामा चन्द्रन जैसे करिश्माई नेता उभरे,जिन्होंने जनता के दिलों पर ऐसा प्रभाव स्थापित किया कि फिल्मों की लोकप्रियता सीधे राजनीतिक जनसमर्थन में बदल गई।उनके जे जयललिता ने भी उसी परंपरा को आगे बढ़ाया और तमिल राजनीति में महिला नेतृत्व की एक अलग पहचान बनाई।दक्षिण भारत में फिल्म और राजनीति का यह अनूठा संगम धीरे-धीरे आंध्र प्रदेश तक पहुँचा,जहाँ एन टी रामा राव ने तेलुगु अस्मिता को राजनीतिक शक्ति में बदल दिया।यह वह नया दौर था जब राष्ट्रीय राजनीतिक दलों के सामने क्षेत्रीय दलों की शक्ति तेजी से बढ़ रही थी।

लगभग छह दशकों तक तमिलनाडु की राजनीति द्रविड़ दलों के इर्द-गिर्द धुमती रही।कभी डी एम के सत्ता में आई तो कभी ए आई ए डी एम के लेकिन राजनीतिक केंद्र वहीं बना रहा।जनता के सामने विकल्प बदलते रहे,किन्तु राजनीति का मूल स्वर द्रविड़ विचारधारा ही बनी रही,किन्तु समय हमेशा एक जैसा नहीं रहता।राजनीति में भी पीढ़ियाँ बदलती हैं,प्राथमिकताएँ बदलती हैं और जनता की अपेक्षाएँ भी बदल जाती हैं।वर्ष 2026 का तमिलनाडु विधानसभा चुनाव इसी परिवर्तन का सबसे बड़ा संकेत बनकर सामने आया।इस चुनाव ने न केवल राजनीतिक पंडितों के सभी अनुमान उलट दिए,बल्कि यह भी साबित कर दिया कि जनता जब परिवर्तन का मन बना लेती है,तो दशकों पुरानी राजनीतिक संरचनाएँ भी हिल जाती हैं।तमिल फिल्म जगत के लोकप्रिय अभिनेता विजय के नेतृत्व में उभरी नई राजनीतिक धारा ने पहली बार तमिलनाडु की राजनीति को द्रविड़ बनाम द्रविड़ की पारंपरिक लड़ाई से बाहर निकालने का प्रयास किया।विजय ने स्वयं को केवल अभिनेता के रूप में प्रस्तुत नहीं किया,बल्कि "नई तमिल राजनीति " के नायक के रूप में स्थापित करने की कोशिश की। उनकी सभाओं में उमड़ती युवाओं की भीड़,सोशल मीडिया पर असाधारण लोकप्रियता और पारंपरिक राजनीति के विरुद्ध आक्रोश ने चुनावी वातावरण को पूरी तरह बदल दिया।शुरुआत में राजनीतिक विश्लेषक इसे केवल "स्टारडम का प्रभाव" मान रहे थे,लेकिन विधान सभा चुनाव के परिणामों ने यह साबित कर दिया कि तमिलनाडु की जनता बदलाव चाहती थी।तमिलनाडु विधानसभा की कुल 234 सीटों में बहुमत के लिए 118 सीटों की आवश्यकता थी।चुनाव परिणामों में विजय की पार्टी टी वी के ने 108 सीटें जीतकर सबसे बड़े राजनीतिक दल के रूप में उभरकर सबको चौंका दिया।वहीं डी ए के 59 सीटों पर सिमट गई और ए आई ए डी एम के गठबंधन लगभग 53 सीटों तक सीमित रह गया।कांग्रेस को केवल 5 सीटों से संतोष करना पड़ा।इन परिणामों ने केवल सरकार का गणित नहीं बदला,बल्कि तमिलनाडु की राजनीति की आत्मा में चल रहे परिवर्तन को भी उजागर कर दिया।यह चुनाव भावनात्मक नारों और पारंपरिक राजनीतिक विरासत से आगे बढ़कर नई आकांक्षाओं का चुनाव बन चुका था। युवाओं की नई पीढ़ी रोजगार चाहती है,तकनीकी विकास चाहती है,उद्योग चाहती है,डिजिटल अवसर चाहती है और सबसे अधिक पारदर्शी शासन चाहती है।

पहली बार मतदान करने वाले लाखों युवा मतदाताओं ने जातीय और परंपरागत राजनीतिक निष्ठाओं से ऊपर उठकर "नए नेतृत्व" पर भरोसा जताया।यही कारण रहा कि शहरी क्षेत्रों,आईटी कॉरिडोर और शिक्षित युवाओं वाले निर्वाचन क्षेत्रों में पारंपरिक दलों को अपेक्षित समर्थन नहीं मिल पाया।

राजनीतिक विश्लेषकों की सबसे बड़ी भूल यह रही कि वे तमिलनाडु की राजनीति को पुराने चुनावी गणित से समझने का प्रयास करते रहे,जबकि जनता का मन बदल चुका था।एग्जिट पोल और राजनीतिक सर्वेक्षण जहाँ द्रविड़ दलों की मजबूत वापसी का दावा कर रहे थे, वहीं मतदाताओं ने चुपचाप एक नया राजनीतिक संदेश लिख दिया।दरअसल तमिलनाडु में यह परिवर्तन अचानक नहीं आया।पिछले कुछ वर्षों से जनता के भीतर नेतृत्व को लेकर एक खालीपन महसूस किया जा रहा था।एम करुणा निधि और जयललिता जैसे बड़े नेताओं के जाने के बाद राजनीति में वह भावनात्मक करिश्मा दिखाई नहीं दे रहा था जिसने दशकों तक जनता को जोड़े रखा था।इसी राजनीतिक रिक्तता में नए चेहरे और नई राजनीति के लिए जगह बनी। विजय ने चुनाव प्रचार के दौरान बार-बार "तमिल अस्मिता" और "नई पीढ़ी की राजनीति" को केंद्र में रखा।उन्होंने पारंपरिक द्रविड़ राजनीति से दूरी बनाते हुए स्वयं को भविष्य की राजनीति का चेहरा साबित करने का प्रयास किया।इस चुनाव का सबसे बड़ा झटका भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेश को लगा। कभी दक्षिण भारत में मजबूत राजनीतिक आधार रखने वाली कांग्रेस अब गठबंधन की राजनीति तक सीमित दिखाई दे रही है। तमिलनाडु के परिणामों ने यह स्पष्ट कर दिया कि केवल क्षेत्रीय दलों के सहारे राजनीति करने से किसी राष्ट्रीय दल का जनाधार मजबूत नहीं हो सकता।कांग्रेस के सामने सबसे बड़ा संकट स्थानीय नेतृत्व का अभाव है।पार्टी के पास ऐसा कोई करिश्माई चेहरा नहीं दिखता जो तमिलनाडु की जनता के भीतर नई ऊर्जा पैदा कर सके।यही कारण है कि चुनाव परिणामों के बाद कांग्रेस के भीतर संगठनात्मक पुनर्गठन और दक्षिण भारत की नई रणनीति पर गंभीर चर्चा प्रारम्भ हो गई है।राजनीतिक दृष्टि से देखें तो तमिलनाडु का यह जनादेश केवल एक राज्य की घटना नहीं है। यह भारतीय राजनीति में बदलती सामाजिक मानसिकता का संकेत है।आने वाले समय में क्षेत्रीय पहचान,युवा नेतृत्व,डिजिटल राजनीति और सांस्कृतिक स्वाभिमान का प्रभाव और अधिक बढ़ सकता है।राजनीति के विशेषज्ञों का मानना है कि भविष्य की राजनीति अब केवल जातीय समीकरणों और पारंपरिक वोट बैंक के सहारे नहीं चलेगी।सोशल मीडिया,युवा मतदाता और राजनीतिक पारदर्शिता नए निर्णायक कारक बन चुके हैं। तमिलनाडु ने यह संदेश पूरे देश को दे दिया है।दिलचस्प बात यह भी रही कि इस चुनाव में जनता ने "स्थिरता बनाम परिवर्तन" के बीच परिवर्तन को प्राथमिकता दी।यह लोकतंत्र की सबसे बड़ी खूबसूरती है कि जनता जब बदलाव चाहती है,तो सबसे मजबूत राजनीतिक किले भी ढह जाते हैं।तमिलनाडु ने एक बार फिर भारतीय राजनीति को नई दिशा देने का काम किया है।कभी इसी राज्य ने कांग्रेस के प्रभुत्व को चुनौती दी थी,फिर द्रविड़ राजनीति को राष्ट्रीय विमर्श बनाया और अब "नई तमिल राजनीति" की चर्चा शुरू कर दी है।आज पूरा देश तमिलनाडु के राजनीतिक घटना क्रम को इसलिए ध्यान से देख रहा है क्योंकि वहाँ से उठी राजनीतिक लहर आने वाले समय में राष्ट्रीय राजनीति की दिशा भी बदल सकती है। तमिलनाडु विधान सभा चुनाव 26 के बदलते जनादेश ने तमिल द्रविड़ राजनीति से "नई तमिल राजनीति" भारतीय लोकतंत्र को दिया नया संदेश।दरअसल लोकतंत्र की सबसे बड़ी शक्ति जनता जनार्दन का मौन निर्णय होता है।राजनीतिक पंडित अक्सर आँकड़ों में उलझ जाते हैं,लेकिन जनता अपने मन का फैसला चुपचाप करती है।तमिलनाडु के इस जनादेश ने एक बार फिर यही सिद्ध किया है कि लोकतंत्र में अंतिम शक्ति जनता के हाथ में ही होती है।विगत विधान सभा के चुनाव 26 का परिणाम केवल सत्ता परिवर्तन की कहानी नहीं है।यह बदलती पीढ़ी,नई आकांक्षाओं,क्षेत्रीय स्वाभिमान और राजनीतिक पुनर्जागरण की कहानी भी है।भविष्य के आने वाले वर्षों में भारतीय राजनीति का नया अध्याय दक्षिण भारत से ही लिखा जाए।अगर यदि ऐसा होता है,तो इतिहास यह अवश्य दर्ज करेगा कि तमिलनाडु ने एक बार फिर देश को राजनीति की नई दिशा दिखाई थी।

(आलेख-विनोद कुमार सिंह 'तकियावाला'स्वतंत्र पत्रकार एवं स्तम्भकार)

# कानून सबके लिए समान कहां है यह संवैधानिक सिद्धांत?

**सनत जैन**

हाल के वर्षों में न्यायपालिका की निष्पक्षता, भ्रष्टाचार और जवाबदेही को लेकर जितने गंभीर सवाल उठ रहे हैं। संसद में सरकार ने जो जानकारी दी है, उसमें हजारों शिकायतें सरकार के पास भ्रष्टाचार की पंहुची हैं। उनमें पूर्व दिल्ली हाईकोर्ट के न्यायाधीश यशवंत वर्मा का मामला सबसे अधिक चिंताजनक है। उनके आवास से करोड़ों रुपये के जले हुए नोट मिले, सुप्रीम कोर्ट की समिति ने जांच की, उन्हें इस्तीफा देने की सलाह दी गई, लेकिन उन्होंने पहले इस्तीफा नहीं दिया। बाद में उनका तबादला इलाहाबाद हाईकोर्ट कर दिया गया, जहां उन्हें कोई न्यायिक कार्य नहीं सौंपा गया। अब उन्होंने राष्ट्रपति को इस्तीफा भेज दिया है, किंतु उसके स्वीकार न होने तक वे अभी भी इलाहाबाद हाईकोर्ट के वरिष्ठ न्यायाधीशों की सूची में बने हुए हैं। इस पूरे घटनाक्रम ने भारतीय न्यायपालिका की जवाबदेही और भ्रष्टाचार की व्यवस्था पर गहरे प्रश्न खड़े कर दिए हैं। हजारों शिकायतें प्राप्त होने के बाद भी सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश और सरकार ने जो चुप्पी साध रखी है। कोई कार्यवाही नहीं की यह चिंता का विषय है। सबसे बड़ा सवाल यह है, यदि किसी न्यायाधीश पर गंभीर भ्रष्टाचार के आरोप हों। वह महाभियोग प्रक्रिया पूरी होने से पहले इस्तीफा दे दे, तो क्या उसके विरुद्ध आगे कोई प्रभावी कार्रवाई संभव नहीं होती है। संविधान के अनुसार उच्च न्यायालय और सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीशों को हटाने का एकमात्र संवैधानिक तरीका संसद में महाभियोग ही है। यह प्रक्रिया इतनी जटिल और राजनीतिक सहमति पर आधारित है कि व्यवहार में शायद ही कभी पूरी हो पाती है। ऐसे में यदि कोई न्यायाधीश इस्तीफा दे देता है, तो महाभियोग स्वतः अप्रासंगिक हो जाता है। जब भ्रष्टाचार के आरोपों की शिकायत न्यायपालिका अथवा सरकार के पास जाती है। ऐसी स्थिति में आंतरिक जांच कराकर सरकार यदि राष्ट्रपति के माध्यम से उनकी सेवा समाप्त करके उनके ऊपर मुकदमा चला सकती है। सरकार नियुक्ति करती है। कदाचरण में उसके पास हटाने का अधिकार भी होता है।

यह तर्क भी सामने आ रहा है कि न्यायाधीशों को मिले संवैधानिक संरक्षण का उद्देश्य न्यायपालिका की स्वतंत्रता सुनिश्चित करना था, न कि भ्रष्टाचार के आरोपों से सुरक्षा देना। न्यायाधीश संरक्षण कानूनों और संवैधानिक प्रावधानों के कारण सेवानिवृत्ति लाभ, पेंशन और पद की गरिमा पर तत्काल प्रभाव डालना कठिन है। यही सुरक्षा जवाबदेही न्याय व्यवस्था को निष्प्रभावी बना दे, तो जनता का न्यायपालिका पर विश्वास कम या खत्म होना स्वाभाविक है। यशवंत वर्मा के मामले में अभी तक किसी आपराधिक प्राथमिकी या विस्तृत आपराधिक जांच की स्पष्ट जानकारी सामने नहीं आई। यदि किसी सामान्य सरकारी अधिकारी के यहां इतनी मात्रा में संदिग्ध नकदी मिलती, तो प्रवर्तन एजेंसियां तुरंत सक्रिय हो जातीं। न्यायपालिका की गरिमा बनाए रखने के नाम पर यदि जांच प्रक्रिया ही ना हो, तो इससे "कानून सबके लिए समान है" का संवैधानिक सिद्धांत कमजोर पड़ जाता है। यह सही है, किसी भी न्यायाधीश को केवल आरोपों के आधार पर दोषी नहीं ठहराया जा सकता है। न्यायिक स्वतंत्रता लोकतंत्र की मूल शर्त है। लेकिन स्वतंत्रता और जवाबदेही के बीच संतुलन भी आवश्यक है। अब समय आ गया है कि संसद और न्यायपालिका मिलकर ऐसी व्यवस्था विकसित करें, जिसमें गंभीर भ्रष्टाचार के मामलों में न्यायाधीशों की स्वतंत्र, पारदर्शी और समयबद्ध जांच हो, चाहे वे पद पर हों, इस्तीफा दे चुके हों या सेवानिवृत्त हो गए हों। ट्रायल कोर्ट के जजों पर हाईकोर्ट एवं राज्य सरकार मिलकर कार्यवाही करती हैं। यशवंत वर्मा प्रकरण केवल एक व्यक्ति का मामला नहीं है; पिछले कुछ वर्षों में न्यायपालिका में भ्रष्टाचार बढ़ा है। यह समय भारतीय न्याय व्यवस्था की विश्वसनीयता की अग्नि परीक्षा का है। वर्तमान में जिस तरह के आरोप हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट के जजों पर लग रहे हैं। जिस तरह से निर्णयों को लेकर राजनैतिक दलों द्वारा खुलकर आरोप-प्रत्यारोप लगाये जा रहे हैं। भ्रष्टाचार एवं सरकार के दवाब में फैसले के आरोप लग रहे हैं। जज सेवा से स्तीफा देकर अथवा सेवा निवृत होने के तुरन्त बाद राजनीति में सक्रिय हो रहे हैं। विचारधारा के अनुसार जजों की नियुक्ति के आरोप लग रहे हों। ऐसी स्थिति में हाईकोर्ट एवं सुप्रीम कोर्ट के जजों के लिए जो प्रोटेक्शन एक्ट है, उसमें संशोधन किया जाना जरुरी है। यदि ऐसा नहीं हुआ तो न्यायपालिका का अस्तित्व संकट में पड़ना तय है। हाल ही में केजरीवाल, सीबीआई और हाईकोर्ट की जज स्वर्णकांता के मामले में जो हो रहा है। न्यायपालिका में नैतिकता और मर्यादा का पालन नहीं होना चिंता का विषय है।

**मेष राशि** : आज का दिन आपके लिए बेहद ख़ास पल लेकर आया है। भाई व माता से सहयोग मिलेगा, आपका पराक्रम बढ़ेगा। सहकर्मियों के सहयोग से कार्य को निर्धारित समय में संपन्न करेंगे। खान-पान का उचित ध्यान रखें। इस राशि की महिलाओं को आज शॉपिंग में अच्छा डिस्काउंट मिल सकता है। आज आप अपने घर के साफ सफाई में व्यस्त रहेंगे। जमीन जायदाद संबंधी मामले आपके पक्ष में रहेंगे।

**वृष राशि** : आज आपका दिन खुशहाल रहेगा। घर की सफाई अथवा नवीनीकरण के कार्यों में व्यस्त रहेंगे। आप अपनी कार्यक्षमता को दूसरों के आगे साबित कर पाने में सफल होंगे। पिता व गुरुजनों से सम्मान प्राप्त होगा। व्यापारिक वर्ग की निराशा आशा में परिवर्तित होगी, नये-नये प्रोजेक्ट मिलेंगे।

**मिथुन राशि** : आज आपका दिन एक नई उमंग लेकर आएगा। आपके लिए आय के नए द्वार खुलने की संभावना है। छात्रों को शिक्षा में आश्चर्यजनक परिणाम मिल सकते हैं। आपके घर में सुख शांति का माहौल बनेगा। आपकी आध्यात्मिक और धार्मिक मामलों में रुचि बढ़ेगी। किसी मित्र की सहायता से आपके बिगड़े हुए कार्य बनेंगे और पिछले किये गए प्रयासों में सफलता मिलेगी। ज़मीन संबंधी कार्य में पैसा लगाने से फ़ायदा मिल सकता है।

**कर्क राशि** : आज आपका दिन बढ़िया रहेगा। सार्वजनिक एवं प्रोफेशनल कार्यों में अनुकूल संयोग बनेगे। किसी समस्या को दूर करने के लिए परिवार के सदस्यों के साथ बैठकर विचार विमर्श करेंगे। हर काम समय पर पूर्ण होने से आनंद का अनुभव होगा। धन की कमी दूर होने से आर्थिक स्थिति मजबूत बनेगी। जो मल्टीनेशनल कंपनी में जुड़े हैं ऐसे जातकों के लिए आज का दिन प्रगतिकारक दिखाई दे रहा है आप किसी नए कार्य की योजना बनायेंगे।

**सिंह राशि**:आज आपका दिन उत्तम रहेगा।आज आपका मन कुछ उलझन में रहेगा, लेकिन जीवनसाथी के साथ बातों को शेयर करने से सब ठीक हो जायेगा। आज जल्दबाजी में महत्वपूर्ण निर्णय ना लें, इसके बारे में अच्छी तरह से सोच लें। दोस्ती के रिश्तों में और प्रगाढ़ता आएगी। आज आप आत्मविश्वास से भरपूर रहेंगे।

**कन्या राशि** : आज का दिन आपके लिए मिला-जुला अनुभव देने वाला रहेगा। सकारात्मक सोच व संतुलित दृष्टिकोण से आप असंभव कार्यों को भी संभव कर पाएंगे। विद्यार्थियों को मनचाही सफलता पाने के लिए थोड़ी और मेहनत करने की जरूरत है,सफलता के योग भी बने हुये है। कारोबार और करियर संबंधी समस्याओं का निवारण हो जायेगा, कुछ नया करने की कोशिश करेंगे, रिश्तों में मिठास बनी रहेगी।

**तुला राशि** : आज का दिन आपके अनुकूल रहेगा। आज आपके परवारिक रिश्ते में मधुरता बनी रहेगी। आज आपकी आर्थिक स्थिति बेहतर होगी। ऑफिस में कुछ कार्यों की जिम्मेदारी आपको दी जायेगी, जिसे पूरा करने में आप सफल होंगे। खान-पान की तरफ भी आपको ध्यान देने की आवश्यकता है। कार्यक्षेत्र में आप जितना ही मेहनत करेंगे, आपको उतना ही लाभ मिलेगा। छात्रों के लिये आज का दिन अच्छा रहने वाला है।

**वृश्चिक राशि** : आज आपका दिन बेहतरीन रहेगा। संतान पक्ष से मन को संतोष मिलेगा। जो लोग नया बिजनेस शुरू करना चाहते हैं या नौकरी में नए अवसर खोज रहे हैं उनके लिए अनुकूल समय है। आज किसी काम को लेकर आपका आत्मविश्वास बढ़ेगा। आज ऑफिस में आपके पर्सनालिटी की तारीफ होगी।

**धनु राशि** : आज आपका दिन लाभदायक रहेगा। आज आपके सामने जो भी कठिन मामले हैं, उन पर बातचीत कर सकते हैं। आज आप जितनी मेहनत करेंगे, आने वाले दिनों में आपको उतना ही फायदा होगा। आपका पूरा ध्यान अपने महत्वपूर्ण कामों पर रहेगा। कई तरह की जिम्मेदारी वाले काम आपके सामने रहेंगे।

**मकर राशि** : आज आपका दिन बेहतरीन है। आज सोचे हुए काम करने के लिए और अपनी योजनाओं को पूरा करने के लिए दिन अच्छा रहेगा। किसी रुके हुये काम को पूरा करने में किस्मत का साथ मिलेगा। आज आपको अपने गुणऔर काम के वजह से सम्मानित किया जायेगा। समाज में प्रतिष्ठा बढ़ सकती है आज जो जिम्मेदारी मिलेगी उसे पूरा करने में सक्षम रहेंगे।

**कुंभ राशि** : आज आपका दिन शानदार रहेगा। आज आपकी कम्यूनिकेशन की क्षमता दूसरो को प्रभावित करेगी, जिससे आपको फायदा होगा। नतीजों की चिंता किए बिना मेहनत करेंगे तो कामयाबी अवश्य मिलेगी। नए लोगों से जान पहचान बढ़ेगा।बिजनेस में अचानक फायदा होगा और अधिकारियों का सहयोग मिलेगा आज आप ऑनलाइन कुछ आर्डर कर सकते है।

**मीन राशि** : आज आपका दिन खुशियों से भरा रहेगा। आज आपका ध्यान केवल और केवल अपने काम के प्रति रहेगा, इसके लिए आप कठोर परिश्रम भी करने के लिए तैयार रहेंगे। आप ज्यादा लोगों से जुड़े रहेंगे, लोग भी आपकी सहायता करने के लिये तत्पर रहेंगे। सरकार अथवा उच्च अधिकारियों से आपको लाभ प्राप्त हो सकता है। आज आपका मनोबल बढ़ा रहेगा जिससे आप अपने लक्ष्य को जल्द हासिल कर पाएंगे।

# बच्चों को सुविधाभोगी छुईमुई नहीं पराक्रमी बनाने की जरूरत

**मनोज कुमार अग्रवाल**

दुनिया के सबसे ज्यादा बच्चे भारत में हैं लेकिन स्वास्थ्य के मामले में ये बच्चे काफी पिछड़ी हालत में हैं। देश के ज्यादातर शहरों के ज्यादातर पब्लिक स्कूलों में सुबह होने वाली प्रार्थना (प्रेयर असेंबली) अब स्थगित कर दी जाती है। कारण पता करने पर स्कूल प्रबंधन बताते हैं कि हर असेंबली में पांच छह से एक दर्जन से अधिक बच्चे प्रेयर के दौरान गश खाकर गिर जाते हैं। यह एक चिंता जनक तथ्य है और जिन्हें पहली बार पता चल रहा है वह अचरज कर सकते हैं लेकिन यह सच्चाई है। बच्चों खासकर शहरी बच्चों की शारीरिक सामर्थ्य बेहद कम हो रही है कुपोषण फास्टफूड पढ़ाई कोचिंग किताबों के बोझ से दबे बच्चे बचा समय मोबाइल में बिता रहे हैं और अपनी शारीरिक क्षमता को खो रहे हैं आउटडोर गेम से दूरी भी इस का एक बड़ा कारण है। ऐसे हालात में बच्चों को शारीरिक श्रम से जोड़ने की बेहद जरूरत है। यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का हाल का एक बयान बेशक कुछ एसी कमरों में बैठ कर बालविकास की योजना बनाने वाले अंग्रेजीदा लोगों को चुभ सकता है लेकिन मुख्यमंत्री का असली ईशारा भविष्य के लिए संघर्ष और संस्कार से तप कर निकली युवा पीढ़ी देने का है। विचार कीजिए क्या हम अपनी आने वाली नस्लों की रगों में भारतीयता की जगह आलस्य और सुविधाभोगी कल्चर दे रहे हैं? जरा सोचिए—हड्डियों को कमजोर करने वाली सुख-सुविधाएं, एयर-कंडीशनर कमरों में सुलगती सुकुमार पीढ़ी और स्क्रीन पर रेंगती हुई बेजान उंगलियां... आज का हिंदुस्तान अपनी संतानों को शिक्षा नहीं, बल्कि चुनौतियों से पीठ दिखाकर भागने का एक धीमा जहर परोस रहा है! हमारी रीढ़ की हड्डी को इतना लचीला बना दिया गया है कि वह जिंदगी के पहले ही थपेड़े में कड़कड़ाकर टूट जाए। लेकिन इसी सन्नाटे को चीरती हुई जब देश के सबसे बड़े राज्य के मुख्यमंत्री पदासीन योगी का संबोधन गूंजता है, तो दिल्ली से लेकर लखनऊ तक का मखमली पाखंड भरभराकर ढह जाता है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जब गरजते हैं कि—जो शिक्षक बच्चों को धूप में तपना, मिट्टी से जूझना और श्रमदान की आग में जलना सिखाते हैं, उन पर उंगली उठाने की जुर्रत मत करना; उन्हें सूली पर नहीं, सम्मान के सर्वोच्च शिखर पर बैठाओ!—तो यह महज़ कोई प्रशासनिक डांट नहीं है। यह सनातन भारत की छाती पर लगा एक ऐसा शॉक-ट्रीटमेंट है, जिसने सीधे हमारी सोई हुई रगों में खौलते खून को याद दिला दिया है। यह एक आधुनिक शासक की वह हुंकार है, जो इस देश के पाखंडी समाज और बिकाऊ कैमरे वालों को उनकी औकात बता रही है।

इस दहाड़ के पीछे छिपे उस प्रचंड और आक्रामक आयाम को समझिए, जिसका सीधा नाता हमारे वेदों के वज्र और गुरुकुलों के रक्त-पसीने के इतिहास से है। आज की तथाकथित सॉफ्ट जनरेशन के मां-बाप बच्चे के हाथ में झाड़ू देखते ही छाती पीटने लगते हैं। कानून की धाराएं और बाल-अधिकारों के खोखले ढोंग लेकर थानों में कतारें लग जाती हैं। धिक्कार है ऐसी सोच पर! इतिहास गवाह है कि जिन बच्चों के हाथों में बचपन में छाले नहीं पड़ते, जवान होने पर उनके कंधों से राष्ट्र के बड़े दायित्व भी फिसल जाते हैं। जरा सनातन इतिहास के पन्नों को पलटिए और याद कीजिए महर्षि धौम्य के आश्रम के उस बालक आरुणि को। मूसलाधार बारिश हो रही थी, रात का घना अंधेरा था और कड़कती बिजली के बीच गुरु का एक आदेश आता है कि खेत की मेड़ टूट गई है, उसे बांधकर आओ। बालक आरुणि भागता हुआ खेत पर पहुंचता है, मिट्टी बह रही होती है। जब कोई उपाय नहीं सूझता, तो वह खुद उस ठंडे, बर्फीले पानी के बीच मेड़ की जगह लेट जाता है और पूरी रात अपनी छाती से पानी को रोके रखता है। सुबह जब गुरु उसे वहां जमा हुआ देखते हैं, तो उनकी आंखों से आंसू बह निकलते हैं। वह आरुणि को छाती से लगाकर कहते हैं कि आज से तुम केवल शिष्य नहीं, बल्कि अखंड ज्ञान के प्रतीक हो। क्या वह बाल-उत्पीड़न था? नहीं, वह निष्ठा और कठिन परिस्थितियों से लोहा लेने की वो पराकाष्ठा थी, जिसने एक साधारण बालक को उद्दालक जैसे महान ऋषि में बदल दिया। इसी उज्जयिनी के संदीपनि आश्रम को भी देखिए। भोर की उस कंपकंपाती ठंड में, एक तरफ पूरी धरती का स्वामी, यदुवंश का कुलदीपक—राजकुमार कृष्ण है, और दूसरी तरफ दरिद्र ब्राह्मण का बेटा सुदामा। दोनों के नंगे बदन पर पसीने की बूंदें जम चुकी हैं, कंधों पर भारी कुल्हाड़ी है और वे खूंखार जंगलों को चीरते हुए सूखी लकड़ियों के गट्ठर उठा रहे हैं। क्या वह गुरु द्वारा शिष्यों का शोषण था?नहीं! वह उस ऋषि परंपरा की धधकती हुई भट्ठी थी, जो जानती थी कि जब तक सोने को तपाया नहीं जाएगा, तब तक वह कुंदन नहीं बनेगा। वेद ज्ञान चिल्लाकर कहता है कि जिस शिक्षा में पसीना नहीं बहाता, जो शिक्षा तुम्हारे भीतर के मैं और अहंकार की चिता नहीं जला सकती, वह शिक्षा नहीं, बल्कि केवल पेट पालने का एक कसाईखाना है। योगी आदित्यनाथ इसी सनातन सत्य की ढाल बनकर खड़े हुए हैं। वे समाज को थप्पड़ मारकर जगा रहे हैं कि जिस देश के साक्षात ईश्वर ने गुरु के आंगन में गोबर उठाया हो, उस देश में स्कूल की माटी साफ करना गुनाह कैसे हो गया? यह हकीकत है कि शिक्षक की गोद में प्रलय और निर्माण दोनों पलते हैं.. आधुनिक संदर्भ में आपको बता दें कि अच्छा पोषण मजबूत रोग प्रतिरोधक क्षमता, कम बीमारियाँ, बेहतर स्वास्थ्य और एक उत्पादक समाज का स्रोत है। भारत में, स्कूल जाने वाले अधिकांश बच्चे कुपोषण, विशेषकर अल्पपोषण से ग्रस्त हैं। यह समीक्षा भारत के विभिन्न क्षेत्रों के ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में बच्चों में दुर्बलता, बौनापन, अधिक वजन और मोटापे की व्यापकता का पता लगाने के लिए की गई है। इस उद्देश्य के लिए, रिसर्च गेट, पबमेड, गूगल स्कॉलर, अमेरिकन जर्नल ऑफ क्लिनिकल न्यूट्रिशन जैसे विभिन्न स्रोतों और भारत सरकार के महिला एवं बाल विकास मंत्रालय और विभिन्न राज्य सरकारों की वेबसाइटों जैसे विभिन्न एजेंसियों के सर्वेक्षणों का उपयोग करके तीस अध्ययनों की समीक्षा की गई। सभी अध्ययनों में डेटा संग्रह के लिए आहार संबंधी जानकारी, संरचित साक्षात्कार और मानवमितीय मापों का उपयोग किया गया। विभिन्न अध्ययनों के परिणाम बताते हैं कि अल्प वजन वाले बच्चों का प्रतिशत 6.6% से 83% तक है। बौनेपन की व्यापकता 13.8% से 56.1% तक, दुर्बलता की व्यापकता 6.7% से 75% तक और अल्प वजन की व्यापकता 6.6% से 83% तक है। निष्कर्ष यह निकला कि बच्चों में कुपोषण एक बड़ी समस्या है और इस समस्या से निपटने के लिए बहुत ध्यान देने की योगी आदित्यनाथ जानते हैं कि अगर देश की सीमाओं पर तोपों के सामने टिकना है, अगर विज्ञान के मोर्चों पर महाशक्तियों की आंखों में आंखें डालनी हैं, तो हमें कांच के खिलौने नहीं, लोहे के मर्द तैयार करने होंगे। जो बच्चा आज स्कूल की क्यारियों में कुदाल चलाने से डरेगा, वह कल देश के दुश्मनों की छाती पर संगीन क्या चलाएगा? शासक का यह विजन उस शिक्षक के हाथों को वज्र की ताकत देना है, ताकि वह बिना किसी कानूनी या सामाजिक खौफ के, इस देश की मिट्टी से चंद्रगुप्त पैदा कर सके। आधुनिक पतन का दौर केवल किताबी कीड़े, डिग्रियों की गुलामी, पसीने से नफरत और खोखली सहूलियतें।आदित्यनाथ योगी का नया विजन प्राचीन ऋषि परंपरा का पुनरुत्थान—जहां श्रम ही सबसे बड़ा संस्कार और राष्ट्ररक्षा का कवच है।आज की शिक्षा व्यवस्था ने बच्चों को इतना कमजोर बना दिया है कि वे छोटी सी नाकामी पर अवसाद के गर्त में गिर जाते हैं। मुख्यमंत्री इसी सड़ांध को साफ करना चाहते हैं। वे बच्चों को मुश्किलों की धूप में खड़ा करना चाहते हैं, ताकि जब जिंदगी उनके सामने पहाड़ जैसी चुनौतियां लेकर आए, तो वे टूटने के बजाय उस पहाड़ का सीना चीरकर रास्ता बना सकें। फैसला अभिभावकों का है वह अपने बच्चों को एक ऐसी पीढ़ी बनाना चाहते हैं जो वातानुकूलित कमरों में बैठकर सिर्फ डिग्रियां गिनेगी, या फिर एक ऐसा महामानव तैयार करना चाहते हैं जिसके पैरों की धमक से दुश्मन का सिंहासन डोल जाए? हमें अपनी शिक्षा को पश्चिमी चश्मे की गुलामी से मुक्त करना ही होगा। हमें उनकी रगों में वेदों की उस ऋचा का रक्त बहाना है जो एक मजबूत राष्ट्रभक्त पीढ़ी का निर्माण करे।

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन न.9470050309 प्रसारः-9931408109 ईमेलः-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइटः-bordernewsmirror.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070

# गेल के एक सत्र में सबसे अधिक छक्के लगाने का रिकार्ड तोड़ सकते हैं सूर्यवंशी : अनिल कुंबले

एजेंसी, नई दिल्ली

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान अनिल कुंबले ने उभरते हुए बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा है कि वह आईपीएल के इस एक सत्र में सबसे अधिक छक्के लगाने का वेस्टइंडीज के बल्लेबाज क्रिस गेल का रिकॉर्ड तोड़ सकते हैं। वैभव ने इस सत्र में अबतक 53 छक्के लगाये हैं और उन्हें क्रिस गेल के 2012 में लगाए गए 59 छक्कों के रिकॉर्ड को तोड़े के लिए सात छक्के और लगाने हैं। हैरानी की बात ये है कि वैभव अभी केवल 15 साल के हैं। वैभव कितने आक्रामक तरीके से खेलते हैं। इसका अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि इस बल्लेबाज ने लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ मैच में केवल 38 गेंदों में 93 रन बना दिये थे ओर इस दौरान 10 छक्के लगाये थे। कुंबले ने कहा, 15 साल के इस बल्लेबाज ने इस आईपीएल सत्र में अभी तक ही 53 छक्के लगा दिए हैं जो हैरानी की बात है। एक सत्र में सबसे ज्यादा 59 छक्के लगाने के गेल के रिकार्ड को वह इसी सत्र में तोड़ सकते हैं। कुंबले ने वैभव की तकनीकी क्षमता की प्रशंसा करते हुए कहा, बहुत कम बल्लेबाज कवर के ऊपर से इतनी आसानी से छक्के मार सकते हैं पर वैभव ने कई ऐसे छक्के लगाये हैं। कुंबले ने वैभव की प्रतिभा पर अपनी हैरानी व्यक्त करते हुए कहा, मुझे खुशी है कि लोगों के पास अब भी ऐसी प्रतिभा का वर्णन करने के लिए शब्द हैं। मेरे पास तो शब्द कम पड़ते जा रहे हैं। यह लड़का बहुत खास है। वह इतनी छोटी उम्र में भी पूरी परिपक्वता दिखाते हुए जिस तरह से खेल रहा है। उससे सभी हैरान हैं। वह किसी भी क्रिकेट प्रेमी को उत्साहित कर सकता है। इस बल्लेबाज का प्रदर्शन न केवल मौजूदा आईपीएल सत्र में चर्चा का विषय बना हुआ है, बल्कि भारतीय क्रिकेट के भविष्य के लिए भी एक उज्ज्वल संकेत दे रहा है। अगर वह अगले कुछ मैचों में गेल का रिकॉर्ड तोड़ पाते हैं, तो यह उनके करियर का एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर होगा।

## विराट ने बताया, किन कारणों से छोड़ी थी कप्तानी

एजेंसी, नई दिल्ली

भारतीय क्रिकेट टीम के सबसे सफल टेस्ट कप्तानों में शामिल रहे विराट कोहली ने उन कारणों का खुलासा किया है जिनके कारण उन्होंने राष्ट्रीय टीम की कप्तानी छोड़ी थी। कोहली ने कहा कि नेतृत्व और बल्लेबाजी के लगातार दबाव ने उन्हें पूरी तरह से थका दिया था, जिसके बाद उन्हें लगा जैसे उनके पास देने के लिए कुछ नहीं बचा है। उन्होंने इस बात पर भी प्रकाश डाला कि किस तरह एक कप्तान हमेशा सवालों के घेरे में रहता है, चाहे वह जीते या हारे।

कोहली ने बताया कि कप्तानी और बल्लेबाजी दोनों में अपना सर्वश्रेष्ठ देने की कोशिश ने उनकी सारी ऊर्जा खींच ली। उन्होंने उस असाधारण मानसिक दबाव का जिक्र किया जिसमें एक कप्तान हमेशा सवालों के घेरे में रहता है। अगर आप जीते और आपने रन नहीं बनाए तो आपसे आपके प्रदर्शन को लेकर सवाल किए जाएंगे। और अगर आपने प्रदर्शन किया और टीम नहीं जीती तब आप पर परिणामों को लेकर सवाल उठेंगे, कोहली ने स्पष्ट किया। उन्होंने कहा कि वह हमेशा इन दोनों चुनौतियों के बीच संतुलन बनाने का प्रयास करते रहे। विराट ने बताया कि वह पहले बल्लेबाजी इकाई के केंद्र बिंदु बने और फिर टीम के नेतृत्व के भी। उन्हें शुरुआत में यह अंदाजा ही नहीं हुआ कि इन दोनों भूमिकाओं का उनकी रोजमर्रा की जिंदगी पर कितना बड़ा भार पड़ेगा। मैं बहुत ज्यादा प्रेरित था कि भारतीय क्रिकेट को शिखर पर बनाए रखना है, इसलिए मैंने इस ओर ध्यान नहीं दिया, उन्होंने कहा। लेकिन जब मैंने कप्तानी छोड़ी, तब मैं पूरी तरह से खप चुका था, जैसे मेरे पास देने के लिए अब कुछ और बचा ही नहीं हो... वह भयंकर था। इस दौरान विराट कोहली ने मुख्य कोच राहुल द्रविड़ और बल्लेबाजी कोच विक्रम राठौर के प्रति अपने गहरे आभार को भी व्यक्त किया। उन्होंने बताया कि जब वह 2021 से 2022 के बीच टेस्ट क्रिकेट में अपने करियर के एक कठिन दौर से गुजर रहे थे, तब इन दोनों ने उनका बहुत समर्थन किया। 2016 से 2019 के शानदार प्रदर्शन के बाद, कोहली का टेस्ट औसत 2021 में 28.21 और 2022 में 26.5 तक गिर गया था।

## साल्ट आईपीएल प्लेऑफ के लिए वापसी करेंगे

एजेंसी, बेंगलुरु

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के आक्रामक बल्लेबाज फिल सॉल्ट अब चोट से उबर गये हैं और प्लेऑफ मुकाबलों के लिए वापसी करने जा रहे हैं। साल्ट की वापसी की उम्मीद से आसीबी के खेमे में उत्साह का माहौल है। साल्ट टीम के लिए इसलिए बेहद अहम है क्योंकि वह सलामी बल्लेबाज के तौर पर टीम को तेज शुरुआत देते हैं। लीग के शुरुआती मैचों के दौरान ही उंगली की चोट के कारण वह इलाज के लिए इंग्लैंड लौट गये थे पर अब वह दौरान में शामिल होने जा रहे हैं। आरसीबी प्लेऑफ में पहुंच गयी है और ऐसे में उसे अब साल्ट जैसे बल्लेबाज की जरुरत है। नॉकआउट चरण के दबाव भरे मैचों में साल्ट जैसे अनुभवी खिलाड़ी का होना टीम के लिए लाभदायक रहेगा।

एक रिपोर्ट के अनुसार सॉल्ट इस सप्ताह आरसीबी कैंप से जुड़ने के बाद अपनी फिटनेस पर काम करना शुरू कर देंगे। उनके प्लेऑफ मुकाबलों तक पूरी तरह से मैच फिट होने की पूरी संभावना है। इस सत्र में चोटिल होने से पहले सॉल्ट शानदार फॉर्म में थे। उन्होंने लीग में खेली गई 6 पारियों में कुल 202 रन बनाए थे। इस दौरान उनका औसत 33.66 और विध्वंसक स्ट्राइक रेट 168.33 का रहा था। सॉल्ट ने इस सीजन में दो शानदार अर्धशतक भी लगाये थे। विराट कोहली के साथ उनकी आक्रामक जोड़ी ने आरसीबी को कई मैचों में तेज और मजबूत शुरुआत दी जिससे टीम के लिए जीत हासिल करना आसान रहा।

## एकदिवसीय विश्व कप से पहले रोहित-हार्दिक की खराब फिटनेस से बीसीसीआई चिंतित

**एजेंसी, मुम्बई**। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा और ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या की फिटनेस को लेकर भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) की चिन्ताएं बढ़ गयी हैं। इससे इन दोनो के ही आगामी एकदिवसीय विश्वकप में खेलने को लेकर भी सवाल उठने लगे हैं। बीसीसीआई चयनसमिति अक्टूबर-नवंबर में खेले जाने वाले विश्वकप के लिए रणनीति तैयार करने में लगी है। ऐसे में वह इन दोनो ही प्रमुख खिलाड़ियों की फिटने को लेकर संशय में है। इन दोनो को अफगानिस्तान के खिलाफ आगामी तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज के लिए टीम में शामिल किया गया है पर कहा गया है कि इनके खेलने का फैसला फिटनेस रिपोर्ट आने के बाद ही होगा। अगयर ये 100 फीसदी फिट हुए तो ही खेल पायेंगे। बोर्ड 35 साल के हो रहे रोहित की शारीरिक क्षमता और 50 ओवर के क्रिकेट की चुनौतियों का सामना करने की उनकी तैयारी को लेकर संशय में है। चयनकर्ताओं ने रोहित की विस्तृत फिटनेस रिपोर्ट मांगी है, क्योंकि हैमस्ट्रिंग की चोट के कारण वह हाल ही में इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में तीन सप्ताह तक कोई मैच नहीं खेल पाये थे। रोहित उन तीन सप्ताह के दौरान बोर्ड के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) में भी नहीं पहुंचे हालांकि उन्होंने अपना वजन घटाया है पर सबसे बड़ा सवाल ये है कि क्या उनका शरीर हाई परफॉर्मेंस स्पोर्ट का पूरा भार उठा पाएगा या नहीं।

## शमी चेक बाउंस मामले में बरी

एजेंसी, कोलकाता

क्रिकेटर मोहम्मद शमी को चार साल पुराने चेक बाउंस मामले में बड़ी राहत मिली है। यहां की अलीपुर कोर्ट ने शमी को उनकी पत्नी हसीन जहां द्वारा दायर 1 लाख रुपये के बाउंस चेक के मामले में बरी कर दिया है। यह मामला 2018 से अलीपुर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट की अदालत में चल रहा था। बुधवार को कोर्ट ने अपना फैसला सुनाते हुए कहा कि शमी के खिलाफ लगाए गए आरोप साबित नहीं हो सके।

यह मामला 2018 का है जब शमी की पत्नी हसीन जहां ने आरोप लगाया था कि घरेलू खर्चों के लिए शमी ने उन्हें 1 लाख रुपये का चेक दिया था, जो बैंक में जमा करने के बाद बाउंस हो गया। इसके बाद हसीन जहां ने अदालत में अपील की थी। हसीन जहां ने इस मामले के अलावा शमी और उनके परिवार के सदस्यों के खिलाफ कई अन्य शिकायतें भी दर्ज कराई थीं, जिनमें घरेलू हिंसा और आपराधिक धमकी के आरोप शामिल थे। वहीं बुधवार को कोर्ट में पेश होने के बाद मोहम्मद शमी ने मीडिया से बात करते हुए अपनी खुशी जाहिर की। उन्होंने कहा, मुझे पता था कि फैसला हमारे पक्ष में आएगा क्योंकि मैंने कुछ गलत नहीं किया था। मैंने जितना देना था, सब कुछ दिया है। मैदान पर हो या मैदान के बाहर, मैं हमेशा हर स्थिति को अपनी पूरी क्षमता से संभालने की कोशिश करता हूं।

# बिजनेस

## सरकार ने विधिक मापन सत्यापन बुनियादी ढांचे को मज़बूत किया : प्रह्लाद जोशी

एजेंसी, नई दिल्ली

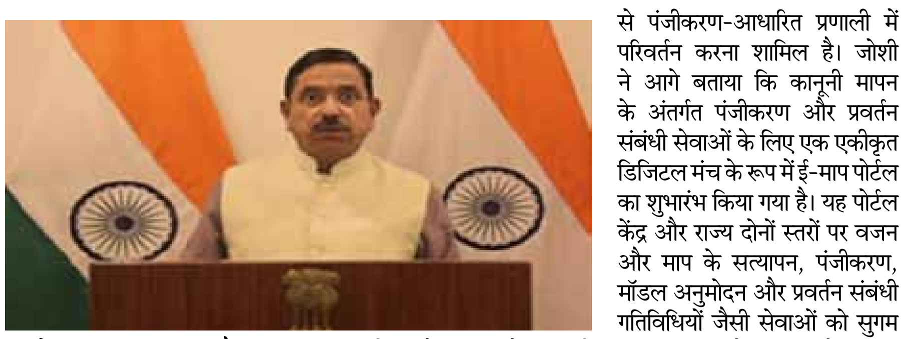

केंद्रीय खाद्य और उपभोक्ता मामलों के मंत्री प्रह्लाद जोशी ने कहा कि सरकार ने भारत के विधिक मापन सत्यापन बुनियादी ढांचे को मजबूत किया है और सटीक माप के महत्व पर जोर दिया है।

उपभोक्ता कार्य, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय ने जारी एक बयान में बताया कि उपभोक्ता मामलों के विभाग ने आजा विश्व मापतौल दिवस 2026 मनाया है, जो 20 मई, 1875 को पेरिस में हस्ताक्षरित ऐतिहासिक 'मीटर कन्वेंशन' की 151वीं वर्षगांठ का प्रतीक है। मंत्रालय के मुताबिक इस वर्ष के विश्व मापन दिवस की थीम है "मापनः नीति निर्माण में विश्वास का निर्माण"। इस अवसर पर उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण राज्य मंत्री बी.एल. वर्मा ने कार्यक्रम को संबोधित किया।

मंत्रालय के मुताबिक प्रल्हाद जोशी ने इस अवसर पर अपने वर्चुअल संबोधन में निष्पक्षता, उपभोक्ता संरक्षण, वैज्ञानिक विश्वसनीयता और पारदर्शी शासन सुनिश्चित करने में माप विज्ञान की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला। इस वर्ष की थीम का उल्लेख करते हुए जोशी ने जोर देकर कहा कि सटीक और विश्वसनीय माप प्रभावी सार्वजनिक नीति, व्यापार, स्वास्थ्य सेवा, पर्यावरण संरक्षण और औद्योगिक विकास की रीढ़ हैं। उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्री जोशी ने कहा कि विभाग ने पात्र निजी संस्थाओं को 40 सरकारी अनुमोदित परीक्षण केंद्र (जीएटीसी) प्रमाण पत्र जारी करके भारत के कानूनी मापन सत्यापन बुनियादी ढांचे को सुदृढ़ किया है, जो देश की सत्यापन क्षमता के विस्तार की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। प्रल्हाद जोशी ने इस अवसर पर उपभोक्ता मामलों के विभाग द्वारा किए गए कई प्रमुख सुधारों का उल्लेख किया। इनमें जन विश्वास (प्रावधान संशोधन) अधिनियम, 2026 के तहत छोटे अपराधों को अपराध की श्रेणी से बाहर करना, कुछ छोटे उल्लंघनों के लिए सुधार नोटिस की शुरुआत करना और व्यापार करने में सुगमता लाने के लिए लाइसेंसिंग प्रणाली से पंजीकरण-आधारित प्रणाली में परिवर्तन करना शामिल है। जोशी ने आगे बताया कि कानूनी मापन के अंतर्गत पंजीकरण और प्रवर्तन संबंधी सेवाओं के लिए एक एकीकृत डिजिटल मंच के रूप में ई-माप पोर्टल का शुभारंभ किया गया है। यह पोर्टल केंद्र और राज्य दोनों स्तरों पर वजन और माप के सत्यापन, पंजीकरण, मॉडल अनुमोदन और प्रवर्तन संबंधी गतिविधियों जैसी सेवाओं को सुगम बनाएगा। उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण राज्य मंत्री बी.एल. वर्मा ने इस अवसर पर अपने संबोधन में शासन और व्यापार में निष्पक्षता, पारदर्शिता और विश्वास सुनिश्चित करने के लिए सटीक मापन प्रणालियों के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि सटीक मापन खाद्य पदार्थ, ईंधन, दवाइयां, बिजली और पैकेटबंद वस्तुओं जैसे क्षेत्रों में नागरिकों के दैनिक जीवन को सीधे प्रभावित करते हैं, जिससे उपभोक्ता विश्वास मजबूत होता है और निष्पक्ष व्यापार प्रथाओं को बढ़ावा मिलता है।

## देश के आठ प्रमुख बुनियादी उद्योग का उत्पादन अप्रैल में 1.7 फीसदी बढ़ा

एजेंसी, नई दिल्ली । अर्थव्यवस्था के मोंचे पर अच्छी खबर है। देश के आठ प्रमुख बुनियादी उद्योगों के उत्पादन में अप्रैल में 1.7 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है। अप्रैल, 2025 में इन आठ उद्योगों का उत्पादन एक फीसदी बढ़ा था। मार्च में यह वृद्धि दर 1.2 फीसदी रही थी। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय की ओर से बुधवार को जारी आंकड़ों के अनुसार अप्रैल में भारत के आठ प्रमुख बुनियादी उद्योगों का उत्पादन 1.7 फीसदी बढ़ा है। इस वृद्धि को मुख्य रूप से सीमेंट, इस्पात और बिजली क्षेत्रों के शानदार प्रदर्शन से बल मिला है, जबकि पांच अन्य क्षेत्रों में गिरावट दर्ज की गई। आंकड़ों के अनुसार आठ प्रमुख बुनियादी सेक्टरों में से सीमेंट का उत्पादन अप्रैल में साल-दर-साल सबसे ज्यादा 9.4 फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज हुई है, इसके बाद स्टील में 6.2 फीसदी और बिजली उत्पादन में 4.1 फीसदी की बढ़ोतरी हुई। हालांकि, अप्रैल महीने में कोयला, कच्चा तेल, प्राकृतिक गैस, रिफाइनरी उत्पादों और उर्वरकों के उत्पादन में गिरावट आई है, जो ऊर्जा और कमोडिटी चेन के कुछ हिस्सों में लगातार बनी कमजोरी को दिखाता है।

## भारत कम से कम 25 वर्षों तक दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था बना रहेगाः गोयल

एजेंसी, नई दिल्ली

केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने गुरुवार को कहा कि भारत और अमेरिका स्वाभाविक साझेदारों के रूप में काम कर रहे हैं, उनमें पूरकता और विश्वास है। उन्होंने कहा कि भारत कम से कम अगले 25 वर्षों तक दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था बना रहेगा। गोयल ने नई दिल्ली में 'अमेरिकन चैंबर ऑफ कॉमर्स' (एमचैम) के वार्षिक नेतृत्व शिखर सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि दोनों देशों के बीच की साझेदारी आपसी विश्वास और साझा आर्थिक हितों से और अधिक मजबूत होती है। केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री कहा कि भारत और अमेरिका 'स्वाभाविक साझेदार' के तौर पर काम कर रहे हैं और वे प्रौद्योगिकी नवाचार, उच्च-सटीकता रक्षा, डिजिटल डेटा केंद्र, क्वांटम कंप्यूटिंग और चिकित्सा उपकरणों सहित विभिन्न क्षेत्रों में एक-दूसरे के पूरक हैं। गोयल ने कहा कि पिछले छह महीनों में अमेरिकी उद्योग से मिली प्रतिबद्धताओं का अनुमान 60 अरब डॉलर से अधिक है, जिसमें अमेजन और गूगल जैसी कंपनियों के बड़े निवेश भी शामिल हैं। उन्होंने कहा कि भारत वैश्विक कंपनियों के लिए एक भरोसेमंद ढांचा प्रदान करता है और बाजार के अवसरों का ऐसा अनूठा मेल प्रस्तुत करता है, जिसकी दुनिया में कोई मिसाल नहीं है। उन्होंने कहा कि अमेरिका एक भरोसेमंद साझीदार की तलाश में है और भारत ने लगातार बौद्धिक संपदा अधिकारों के प्रति सम्मान दिखाया है।

उन्होंने कहा कि भारत के पास कुशल प्रतिभाओं का एक विशाल भंडार है और यह 1.4 अरब महत्वाकांक्षी भारतीयों की मांग को एक साथ लाकर बढ़ती आय और बढ़ते मध्यम वर्ग के ज़रिए अमेरिकी नवाचार को बड़े पैमाने पर विस्तार प्रदान करता है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि सरकार 'भव्य' योजना के माध्यम से औद्योगिक विकास के लिए एक क्षेत्र-आधारित दृष्टिकोण भी अपना रही है, जिसका उद्देश्य पूरे देश में 100 नए औद्योगिक पार्क स्थापित करना है। उन्होंने बताया कि यह मॉडल औद्योगिक बुनियादी ढांचे को श्रमिकों के आवास, मनोरंजन और सामाजिक सुविधाओं के साथ एकीकृत करता है, ताकि एक समग्र औद्योगिक पारिस्थितिकी तंत्र का निर्माण किया जा सके। गोयल ने व्यवसायों और निवेशकों से आग्रह किया कि वे वर्तमान से आगे देखें और भारत तथा उसके लोगों की क्षमताओं, प्रतिभा, आकांक्षाओं और फुर्ती को पहचानें। उन्होंने कहा कि जो लोग भारत की विकास गाथा पर भरोसा करते हैं, उन्हें देश के दीर्घकालिक आर्थिक बदलाव से लगातार लाभ मिलता रहेगा।

## दो दिनों की गिरावट के बाद कच्चे तेल का भाव 106 डॉलर प्रति बैरल के पार

एजेंसी, नई दिल्ली

पश्चिम एशिया संकट और आपूर्ति श्रृंखला में व्यवधान को लेकर जारी चिंताओं के बीच दो दिनों की गिरावट के बाद कच्चे तेल की कीमतों में बढ़ोतरी दर्ज हुई है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में गुरुवार को शुरुआती कारोबार में कच्चे तेल का भाव 106 डॉलर के पार पहुंच गई। आज कारोबार के दौरान अंतरराष्ट्रीय बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड 1.52 डॉलर यानी 1.45 फीसदी बढ़कर 106.54 डॉलर प्रति बैरल के स्तर पर ट्रेंड कर रहा है, जबकि यूएस वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) क्रूड 1.53 डॉलर यानी 1.56 फीसदी की बढ़त के साथ 99.78 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा है। विशेषज्ञों का कहना है कि कच्चे तेल के भाव में ये बदलाव ईरान-अमेरिका युद्ध में संघर्ष-विराम को लेकर बनी आशंकाओं के बीच आया है।

अमेरिका में कच्चे तेल की आपूर्ति और इसके भंडार में आई भारी गिरावट ने घटते भंडारों को लेकर नई अनिश्चितता पैदा कर दी है। पश्चिम एशिया संकट से पहले होर्मुज़ जलडमरूमध्य से वैश्विक तेल और ऊर्जा आपूर्ति का 20 फीसदी से अधिक हिस्सा गुज़रता था, जो 28 फरवरी के बाद से लगभग पूरी तरह से ठप पड़ गया है।

## अटल पेंशन योजना के अंशधारकों की संख्या चालू वित्त वर्ष में 10 करोड़ को पार करेगीः पीएफआरडीए प्रमुख

**एजेंसी, नई दिल्ली** । केंद्र सरकार की प्रमुख सामाजिक सुरक्षा योजना 'अटल पेंशन योजना' (एपीवाई) के अंशधारकों की संख्या वित्त वर्ष 2026-27 में 10 करोड़ के पार पहुंचने की उम्मीद है। इस योजना के तहत ग्राहकों को 1,000 रुपये से 5,000 रुपये तक की न्यूनतम मासिक पेंशन की गारंटी दी जाती है। पेंशन कोष नियामक पेंशन निधि विनियामक और विकास प्राधिकरण (पीएफआरडीए) के चेयरमैन एस रमन ने बुधवार को नई दिल्ली में आयोजित 'अटल पेंशन योजना वार्षिक सम्मान समारोह 2026' को संबोधित करते हुए कहा कि योजना में सालाना 18 फीसदी की वृद्धि दर को देखते हुए 2026-27 में ग्राहकों की संख्या 10 करोड़ से अधिक हो सकती है। पीएफआरडीए के चेयरमैन ने बताया कि एपीवाई के अंशधारकों की संख्या वित्त वर्ष 2025-26 के अंत तक बढ़कर 8.96 करोड़ हो गई, जो एक साल पहले 7.61 करोड़ थी। इस दौरान इस पेंशन योजना से रिकॉर्ड 1.35 करोड़ नए ग्राहक जुड़े हैं। उन्होंने कहा कि 18 फीसदी की वार्षिक वृद्धि दर को देखते हुए चालू वित्त वर्ष 2026-27 के अंत तक इसके ग्राहकों की संख्या 10 करोड़ पार कर जाने की संभावना है। रमन ने कहा कि यह संख्या 30 अप्रैल, 2026 तक बढ़कर 9.04 करोड़ से अधिक हो चुकी है। रमन ने कहा कि 18-25 वर्ष के आयु वर्ग में नामांकन में उल्लेखनीय बढ़ोतरी हुई है, जो युवाओं में दीर्घकालिक वित्तीय सुरक्षा के प्रति बढ़ती जागरूकता को दर्शाता है। उन्होंने देशभर में पेंशन जागरूकता और ग्राहकों की भागीदारी बढ़ाने की जरूरत पर भी जोर दिया।

## हरे निशान पर खुला शेयर बाजार, सेंसेक्स 239.47 अंक उछला

एजेंसी, नई दिल्ली

पश्चिम एशिया संकट के बीच हफ्ते के चौथे कारोबारी दिन गुरुवार को घरेलू शेयर बाजार हरे निशान पर खुला। बाजार के दोनों प्रमुख सूचकांक में तेजी का रूख कायम है। सेंसेक्स में 239 अंक और निफ्टी में 120अंक की तेजी है। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज बीएसई का सेंसेक्स 239.47 अंक यानी 0.32 फीसदी की उछाल के साथ 75,557.86 के स्तर पर ट्रेंड कर रहा है। वहीं, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी भी 23,778.80 के स्तर पर कारोबार कर रहा है। आज के कारोबार में सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों और मेटल शेयरों में खरीदारी है। आज रुपया शुरुआती कारोबार में अपने सर्वकालिक निचले स्तर से उबरा, 61 पैसे की बढ़त के साथ 96.25 प्रति डॉलर पर है। उल्लेखनीय है कि एक दिन पहले बुधवार को सेंसेक्स 117.54 अंक यानी 0.16 फीसदी बढ़कर 75,318.39 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं, निफ्टी 41 अंक यानी 0.17 फीसदी की बढ़त के साथ 23,659 के स्तर पर बंद हुआ था।

## भारती ‘करुप्पु ने दुनियाभर में मचाया तहलका

# चार दिन में कर डाली छप्पर फाड़ कमाई, अब 150 करोड़ से है बच इंचभर दूर

सू सूर्या और तृषा कृष्णन की लेटेस्ट रिलीज फिल्म ‘करुप्पु ने बॉक्स ऑफिस पर कब्जा जमा लिया है. यहां तक कि ये फिल्म आयुष्मान खुराना की ‘पति पत्नी और वो दो से लेकर संजय दत्त की ‘आखिरी सवाल तक पर भारी पड़ रही है और हर दिन डबल डिजिट में कमाई कर रही है. दिलचस्प बात ये है कि ये फिल्म वर्ल्डवाइड भी तहलका मचा रही है और इसने रिलीज के महज चार दिनों में दुनियाभर में शानदार कमाई कर डाली है. चलिए यहां जानते हैं ‘करुप्पु ने वर्ल्डवाइड कितना कलेक्शन कर लिया है? ‘करुप्पु की रिलीज के साथ ही साउथ इंडियन फिल्म इंडस्ट्री को सेलिब्रेशन का मौका मिल गया है. दरअसल सूर्या और तृषा कृष्णन की इस पौराणिक ड्रामा को दर्शक खूब पसंद कर रहे हैं. शुक्रवार को रिलीज के बाद इस फिल्म ने दमदार शुरुआत की और वीकेंड में भी इसने बॉक्स ऑफिस पर अपना दबदबा कामय रखा. हालांकि सोमवार को फिल्म की कमाई में थोड़ी गिरावट आई, लेकिन फिर भी इसने दुनियाभर में रिकॉर्ड कमाई की है. सैकनिल्क के आंकड़ों के मुताबिक फिल्म ने रिलीज के चौथे दिन यानी मंडे को भारत में 5,947 शो में 14.30 करोड़ रुपये का नेट कलेक्शन किया. तमिल और तेलुगु में रिलीज हुई इस फिल्म ने तमिल से 12.10 करोड़ रुपये और तेलुगु से 2.20 करोड़ रुपये कमाए. इसके बाद करुप्पु का भारत में ग्रॉस कलेक्शन 95.30 करोड़ रुपये और चार दिनों की नेट कमाई 82.30 करोड़ रुपये हो गई है. इसके अलावा, विदेशी बाजार में फिल्म ने चौथे दिन 4 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया जिससे ओवरसीज में इसकी ग्रॉस कमाई अब 46.00 करोड़ रुपये हो चुकी है. इसके साथ ही, करुप्पु का दुनियाभर में कुल कलेक्शन 141.30 करोड़ रुपये हो गया है. ये फिल्म 150 करोड़ का आंकड़ा छूने से इंचभर दूर है. फिल्म जिस तरह से शानदार परफ़र्म कर रही है उसे देखते हुए लग रहा है कि मंगलवार को ये इस उपलब्धि को हासिल कर लेगी को 150 करोड़ के क्लब में शामिल हो जाएगी. बता दें कि करुप्पु को इंटरनेशनल मार्केट में खासतौर पर मिडिल ईस्ट, नॉर्थ अमेरिका, ब्रिटेन, यूरोप, ऑस्ट्रेलिया, मलेशिया और सिंगापुर में काफी पसंद किया जा रहा है, जो दुनिया भर में तमिल फिल्म लवर्स के बीच सूर्या की बढ़ती पॉपुलैरिटी का हिंट है. आने वाले दिनों में भी फिल्म की कमाई में कोई कमी आने की उम्मीद नहीं है, क्योंकि सोशल मीडिया पर इसकी खूब चर्चा हो रही है. पिछले कुछ सालों से सूर्या बॉक्स ऑफिस पर इसी उछाल की उम्मीद कर रहे हैं. ड्रीम वॉरियर पिक्चर्स की फिल्म ‘करुप्पु में सूर्या और तृषा कृष्णन के अलावा आरजे बालाजी, शिवदा, योगी बाबू और स्वासिका समेत कई अन्य कलाकार हैं। आरजे बालाजी द्वारा निर्देशित इस फिल्म को ड्रीम वॉरियर पिक्चर्स के बैनर तले एस.आर. प्रभु और एस.आर. प्रकाश बाबू ने प्रोड्यूस किया है.

## ‘दिव्या भारती और ममता कुलकर्णी अखड़ू थीं’, बैकग्राउंड डांसर रुबीना का खुलासा सुनाई शूटिंग की कहानी

बॉ बॉलीवुड की वेटरन बैकग्राउंड डांसर रुबीना खान ने एक इंटरव्यू में ममता कुलकर्णी और दिव्या भारती के बारे में चौंकाने वाला खुलासा किया है। रुबीना ने बताया कि शुरुआत में ममता कुलकर्णी और दिव्या भारती थोड़ी घमंडी थीं। वो डांसर्स को खुद से थोड़ा दूर खड़े होने के लिए बोलती थीं। रुबीना ने बॉलीवुड में काम करने के एक्सपीरियंस को शेयर करते हुए बताया कि सेट पर एक्टर्स का डांसर्स के साथ बर्ताव कैसा था। उन्होंने माधुरी दीक्षित के बर्ताव पर भी बात की। रुबीना ने बताया कि जहां बड़े स्टार्स डांसर्स के साथ बड़े प्यार और सम्मान से पेश आते थे, वहीं कुछ एक्ट्रेसेस बहुत अखड़ू थीं। रुबीना खान से ‘बॉलीवुड ठिकाना’ को दिए इंटरव्यू में पूछा गया कि फिल्म इंडस्ट्री में उनका कौन सा फेवरेट मेल और फीमेल डांसर है, तो वह बोलीं, ‘फीमेल में तो माधुरी जी और मेल में अनिल कपूर जी। एक शूट के दौरान तो माधुरी जी नीचे जमीन पर डांसर्स के साथ बैठ गई थीं। खूब जोक्स क्रैक कर रही थीं और बड़े आराम से सबके साथ बात कर रही थीं।’ कभी किसी आर्टिस्ट ने बुरा बिहेव किया? यह पूछे जाने पर रुबीना खान बोलीं, ‘बुरा तो नहीं बोल सकते। कोई-कोई थे..जैसे अभी दिव्या भारती जी और दो-तीन थे ऐसे... ममता कुलकर्णी..ये और दिव्या जी थोड़ी अखड़ू टाइप की थीं। तो ये लोग ऐसे थे कि अगर जैसे लड़किया हैं आसपास डांसर्स तो कहती थीं अरे गर्ल्स जरा पीछे रहो...जरा ऐसे रहो... धक्का नहीं लगना चाहिए। जैसे सीन होता है गाने में कि हीरोइन को ऐसे पुश करके हीरो की तरफ भेज रहे हैं और उधर से हीरो को धक्का मार रहे हैं ।

## वेलकम टू द जंगल का टाइटल ट्रैक जारी

# धमाचौकड़ी मचाने आई अक्षय और उनकी टोली

अ अक्षय कुमार, सुनील शेट्टी, जैकी श्रॉफ, दिशा पाटनी, जैकलीन, रवीना टंडन सहित कई चर्चित सितारों से सजी फिल्म वेलकम टू द जंगल बॉलीवुड की बहुप्रतीक्षित फिल्मों में शामिल है। इतने सारे सितारे जहां होंगे, वहां एंटरटेनमेंट का तगड़ा डोज मिलना पक्का है। इस फिल्म का टाइटल ट्रैक रिलीज हो चुका है और काफी धमाकेदार है। फिल्म वेलकम टू द जंगल का गाना आया है। इसमें एक्शन भी है, इमोशन भी हैं और भरपूर कॉमेडी का डोज है। जंगल का इलाका है और अक्षय कुमार अपनी टोली के साथ वहां मौजूद हैं। जंगल में एक से बढ़कर एक चैलेंज सामने आते हैं। पूरी टोली सर्वाइव करती है। साथ में मस्ती भी भरपूर होती है। इस टाइटल ट्रैक के जरिए यह बात कंफर्म हो चुकी है कि अक्षय कुमार का फिल्म में डबल रोल है। अभिनेता अक्षय कुमार ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से यह गाना साझा किया है। उन्होंने इसके साथ कैप्शन लिखा है, इस जंगल में अब दहाड़ भी होगी और शोर भी होगा। फिल्म का टाइटल ट्रैक रिलीज हो गया है। यह फिल्म 26 जून 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। यह फिल्म बॉलीवुड की पॉपुलर वेलकम फ्रेंचाईजी की तीसरी किस्त है। इसमें अक्षय कुमार के अलावा अरशद वारसी, सुनील शेट्टी, दिशा पाटनी, जैकलीन फर्नांडिस, जैकी श्रॉफ, पेरश रावल, राजपाल यादव, रवीना टंडन और कीकू शारदा सहित कई चर्चित सितारे हैं। इस फिल्म का निर्देशन अहमद खान ने किया है। फिल्म के गाने की बात करें तो गाने की तो इसे संगीतकार जोड़ी साजिद-वाजिद ने कंपोज किया है। इस गाने को रीक्रिएट संस्करण के साथ जारी किया गया है। पहले की तरह इस बार भी आवाज शान ने दी है।

# बॉक्स ऑफिस पर पति पत्नी और वो दो का चौथे दिन बिगड़ा संतुलन

### वेलकम टू द जंगल का टाइटल ट्रैक जारी धमाचौकड़ी मचाने आई अक्षय और उनकी टोली

आ आयुष्मान खुराना की रोमांटिक-कॉमेडी पति पत्नी और वो दो ने वीकेंड पर दमदार प्रदर्शन किया था। हालांकि कारोबारी दिनों में लौटकर इसके कदम डगमगाने लगे हैं। बॉक्स ऑफिस पर पहले ही सोमवार को कमाई का संतुलन बिगड़ता दिखाई दिया है। वहीं दूसरी ओर, सूर्या और तृषा कृष्णन की फिल्म करप्पू ताबड़तोड़ कमाई करती जा रही है और 100 करोड़ के क्लब में जगह बनाने के बेहद करीब है। इन दोनों के आगे फिल्म आखिरी सवाल औंधे मुंह गिर गई है।

सैकनिल्क के मुताबिक, फिल्म ने अपने पहले सोमवार, यानी चौथे दिन सिर्फ 3.25 करोड़ रुपये कमाए हैं। यह अब तक का सबसे कम आंकड़ा है, क्योंकि 4 करोड़ रुपये से खाता खोलकर इसने दूसरे दिन 5.75 करोड़ और तीसरे दिन 7.75 करोड़ रुपये कमाए थे। 4 दिनों में फिल्म कुल 20.75 करोड़ रुपये जमा कर पाई है। आगे की राहें और मुश्किल होंगी क्योंकि अगले हफ्ते अनन्या पांडे और लक्ष्य लालवानी की फिल्म चांद मेरा दिल रिलीज हो रही है। रितेश देशमुख द्वारा निर्देशित और स्टारर फिल्म राजा शिवाजी ने रिलीज के 18वें दिन 1.15 करोड़ रुपये कमाए, जबकि 17वें दिन इसने 3.45 करोड़ रुपये कमाए थे. बता दें कि इस फिल्म की भारत में 18 दिनों की नेट कमाई अब 85.71 करोड़ रुपये हो चुकी है. कृष्णावतारम पार्ट 1 ने रिलीज के दूसरे वीकेंड तक बॉक्स ऑफिस पर अच्छा परफॉर्म किया था लेकिन दूसरे मंडे को इसकी कमाई को बड़ा झटका लगा है. बता दें कि सैकनिल्क की अर्ली ट्रेंड रिपोर्ट के मुताबिक रिलीज के 12वें दिन इस फिल्म ने महज 73 लाख रुपये कमाए, जबकि 11वें दिन इसने 3.20 करोड़ रुपये कमाए थे. फिल्म की कुल कमाई भारत में अब 20.95 करोड़ रुपये हो चुकी है. बता दें कि इसकी कहानी भगवान कृष्ण के जीवन पर आधारित है. संजय दत्त की हालिया रिलीज फिल्म आखिरी सवाल बॉक्स ऑफिस पर महज चार दिन में ही बुरी तरह पिट चुकी है. इस फिल्म ने अपनी रिलीज के तीसरे दिन, रविवार को महज 80 लाख रुपये कमाए थे. वहीं मंडे टेस्ट में तो ये बुरी तरह फेल हो गई, सैकनिल्क के आंकड़ों के मुताबिक इस फिल्म ने सोमवार को यानी अपनी रिलीज के चौथे दिन केवल 21 लाख रुपये ही कमाए. फिल्म का चार दिनों का भारत में कुल कलेक्शन अब 2.16 करोड़ रुपये हुआ है.

## खुद की काबिलियत पर भरोसा करें महिलाएं, मेहनत से मिलती है कामयाबीः हुमा कुरैशी

बॉ बॉलीवुड अभिनेत्री हुमा कुरैशी इन दिनों कान्स फिल्म फेस्टिवल में अपना जलवा बिखेर रही हैं। मंगलवार को अभिनेत्री ने सोशल मीडिया पर अपना नया लुक शेयर किया, जिसके साथ उन्होंने आज की भारतीय महिला की पहचान को लेकर एक बेहद दिलचस्प और दिल छू लेने वाली बात कही है। हुमा ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर इस लेटेस्ट लुक की कुछ तस्वीरें पोस्ट की हैं। इन तस्वीरों में वे ब्लैक कलर के खूबसूरत वनपीस आउटफिट में नजर आ रही हैं। अपनी इस पोस्ट में उन्होंने लिखा, मेरे लिए एक आधुनिक भारतीय महिला होने का मतलब परफेक्ट होना नहीं है, बल्कि अपनी जड़ों (संस्कृति) को छोड़े बिना अपनी मेहनत के दम पर दुनिया में धीरे-धीरे आगे बढ़ना है। खुद को बदले बिना दुनिया में अपनी एक अलग और नई पहचान बनाना ही सबसे बड़ी खूबी है। हुमा ने महिलाओं का हौसला बढ़ाते हुए लिखा, जीवन में मुश्किलों से डरने के बजाय उन्हें अपनी असली ताकत बनाना चाहिए। अपने सपनों को खुलकर और खूबसूरती से जीना जरूरी है। जब आप किसी ऊंचे मुकाम पर पहुंचें, तो आपके मन में यह पक्का विश्वास होना चाहिए कि आप यहां सिर्फ अपनी किस्मत के भरोसे नहीं, बल्कि अपनी कड़ी मेहनत के दम पर पहुंची हैं। अभिनेत्री ने आखिर में लिखा कि हर महिला को हमेशा पूरी सच्चाई और आत्मविश्वास के साथ अपनी जिंदगी जीनी चाहिए। उन्होंने लिखा, जिंदगी में जब भी कोई नया मोड़ आए, तो उसे अपनी सकारात्मकता से खास बना देना चाहिए। फिर मिलेंगे कान्स में। अभिनेत्री हुमा कुरैशी जल्द ही टॉक्सिकः ए फेयरी टेल फॉर ग्रोन-अप्स में नजर आएंगी। यश की इस बहुचर्चित पीरियड गैंगस्टर ड्रामा फिल्म में अभिनेत्री एलिजाबेथ का किरदार निभा रही हैं। गीतु मोहनदास के निर्देशन में बन रही इस फिल्म में उनका लुक बेहद रहस्यमयी और शाही है। यह फिल्म 1940 से 1970 के दशक के बीच के गोवा पर आधारित एक डार्क गैंगस्टर ड्रामा है। इसमें क्राइम सिंडिकेट, ड्रग तस्करी और सत्ता की लड़ाई दिखाई जाएगी। फिल्म में यश के साथ कियारा आडवाणी, नयनतारा, हुमा कुरैशी, तारा सुतारिया और रुक्मणी वसंत भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में हैं।

## फिल्म द ग्रेट ग्रैंड सुपरहीरो से आया पहला गाना, जैकी श्रॉफ का नया अंदाज छाया

मुं 90 के दशक में कॉमिक किताबों को लेकर लोगों में अलग ही क्रेज था। ऐसी की कॉमिक-बुक की दुनिया को लेकर जैकी श्रॉफ आ रहे हैं अपनी फिल्म द ग्रेट ग्रैंड सुपरहीरो के साथ, जो 29 मई को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। हाल ही में, फिल्म का ट्रेलर जारी किया गया था और अब इसका पहला गाना रिलीज हो गया है। दुश्मन का दादा शीर्षक वाले इस गाने को अमित त्रिवेदी ने अपनी आवाज दी है। दुश्मन का दादा अपने शीर्षक की तरह ही अनोखा है, जिसमें जोश, शरारत और अराजक माहौल दिखता है। इसका वीडियो ऐसी पागलपन वाली दुनिया में ले जाता है, जहां एलियंस, अराजकता और भरपूर मनोरंजन का संगम है। गाने के बोल आरुषी कुशाल ने लिखे हैं, जबकि संगीत कंपोजर अजय जयंती हैं। जैकी का सुपरहीरो वाला नया अंदाज देखने में बेहद दिलचस्प प्रतीत होता है। मनीष सैनी द्वारा निर्देशित फिल्म में प्रतीक बब्बर, भाग्यश्री और रघुवीर यादव जैसे कलाकार भी हैं। जैकी श्रॉफ की प्रमुख भूमिका वाली ‘द ग्रेट ग्रैंड सुपरहीरो एक कॉमेडी फिल्म है, जो मुख्यतः बच्चों को ध्यान में रखकर बनाई गई है।

# PM Modi conferred Food and Agricultural Organisation's highest honour, Agricola Medal, for contribution to global food security

**New Delhi, Agency:** Prime Minister Narendra Modi on Wednesday was conferred the FAO Agricola Medal, the highest honour of the Food and Agriculture Organisation of the United Nations, in recognition of his contribution to food security, sustainable agriculture and rural development.

The award was presented at the FAO headquarters in Rome by Director-General Dr Qu Dongyu during a ceremony in the historic Plenary Hall. PM Modi, who is on the final leg of his five-nation tour, arrived in Italy on Tuesday night. Describing the recognition as a collective honour, he said it belonged to those engaged in India's farm sector.

"This is an honour to India's millions of farmers, livestock rearers, fish farmers, agricultural scientists, and workers. This is also an honour to India's unwavering commitment, at the centre of which lies human welfare, food security, and Sustainable Development," he said.

The Prime Minister also highlighted India's broader agricultural approach, stressing the balance between productivity and sustainability. He said the country was shifting focus towards "Producing Better" rather than only "Producing More", with emphasis on biodiversity and reduced dependence on chemical fertilisers.

Highlighting the role of innovation, PM Modi said modern tools such as AI-based advisory systems, drones, remote sensing and digital public infrastructure were transforming farming practices and improving incomes. He also noted that India has developed around 3,000 climate-resilient crop varieties in the past decade.

He reiterated that food security is not merely a policy objective but a responsibility towards humanity, adding that India's experience shows scale and sustainability can go together when technology and inclusion are combined.

# NIA arrests Kolkata resident for spying for 'Pak' on espionage charges

NATIONAL
INVESTIGATION
AGENCY

**New Delhi, Agency:** As part of an anti-India espionage network, the National Investigation Agency (NIA) on Wednesday arrested a Kolkata-based man for allegedly passing confidential security-related information to Pakistan Intelligence Officers (PIOs).

Sharing details of the arrest on X, the official NIA India account said, "A Pak-backed spy, Zafar Riaz @ Rizvi of Kolkata, has been arrested in an espionage racket, in which he was engaged in clandestinely passing confidential security-related information to Pakistan Intelligence Officers (PIOs) as part of an anti-India terror conspiracy."

A Pak-backed spy, Zafar Riaz @ Rizvi of Kolkata, has been arrested in an espionage racket, in which he was engaged in clandestinely passing confidential security-related information to Pakistan Intelligence Officers (PIOs) as part of an anti-India terror conspiracy. pic.twitter.com/VNYuoyfF0D

According to the agency, the accused has been booked under various sections of the Bharatiya Nyaya Sanhita (BNS), the Official Secrets Act, and the Unlawful Activities (Prevention) Act [UA(P)A]."A Look Out Circular was issued against him and proceedings were also under way to declare him a Proclaimed Offender (PO) when he was taken into custody," the NIA said in its press release. The agency further revealed during its investigation that the accused was married to a Pakistani national and had been travelling frequently between India and Pakistan since 2005.

# Landslide blocks Kedarnath road; 10,000 stranded pilgrims rescued

**New Delhi, Agency:** More than 10,000 pilgrims were stranded on the Kedarnath yatra route late Tuesday after a landslide blocked the Sonprayag-Gaurikund highway in Uttarakhand's Rudraprayag amid continuous rain.

The landslide hit the key Char Dham route during peak pilgrimage season as erratic weather continues to affect pilgrimage routes in Uttarakhand, report Gaurav Talwar & Kautilya Singh. The landslide struck near Munkatiya around 9 pm. Pilgrims were stranded on the two sides of the route. Falling debris and bad weather slowed rescue efforts.

Around 10,450 pilgrims were rescued and moved across the affected stretch, SDRF commandant Arpan Yadhuvanshi said."A minor landslide occurred ahead of Gaurikund, on Tuesday night. Earth movers were deployed and most of the debris was cleared by last evening itself.

# NEET-UG aspirants deserve compensation, reforms after cancellation: AIIMS faculty body

**New Delhi, Agency:** Calling the cancellation of NEET-UG 2026 deeply distressing for lakhs of medical aspirants, the Faculty Association of AIIMS (FAIMS) has demanded compensation for affected students, a fast-track probe into the alleged paper leak and sweeping reforms in the country's examination system.

In a representation sent to the ministries of education and health and the AIIMS director, the faculty body said repeated paper leaks had "severely shaken" public faith in national examinations and caused "unprecedented mental trauma, uncertainty and economic burden" on students and families.

# No beauty injection can be sold as cosmetic, says government amid rise in aesthetic procedures

**New Delhi, Agency:** Amid the booming market for skin-enhancing and anti-ageing procedures, the Centre has said cosmetic products cannot be injected into the body or promoted as treatment, drawing a clear line between beauty products and medical interventions. In a public notice issued on May 18, the Central Drugs Standard Control Organisation (CDSCO) said products supplied in injectable form do not qualify as cosmetics under the Drugs and Cosmetics Act, 1940. "No cosmetic is permitted to be used as injection by consumer/professionals/aesthetic clinics," the notice, issued by Drugs Controller General of India Dr Rajeev Singh Raghuvanshi, stated.

The move comes amid the growing popularity of injectable aesthetic procedures offered by beauty clinics and cosmetic centres, including products marketed for skin brightening, anti-ageing and facial enhancement.

Dr Kabir Sardana from the dermatology department of RMl hospital said many injectable cosmetic procedures use chemicals whose benefits are not scientifically proven, especially for conditions that often do not require injections. Referring to mesotherapy and injections promoted for melasma, he said most are not approved by the US FDA and are being used off-label.

# After Bihar poll drubbing, Prashant Kishor opts for ashram life till next polls

**New Delhi, Agency:** Jan Suraaj founder Prashant Kishor on Wednesday said that he had moved to an ashram on the outskirts of Patna till the next assembly polls in Bihar. While talking to reporters in Bihar's Darbhanga, PK said, "Last night, I shifted out of the place in Patna where I had been living. The Bihar Navnirman Ashram, situated close to IIT-Patna, shall be my abode till the next assembly polls when the Jan Suraaj Party will, hopefully, make an impact."

This comes months after the poll strategist-turned-politician launched his party before the Bihar assembly polls, but failed to win a single seat.

Kishor had until now been operating from 'Sheikhpura House', a sprawling bungalow near Patna airport owned by the family of party national president and former BJP MP Uday Singh.

# SC issues notice to states and UTs objects to misleading labelling

**New Delhi, Agency:** The Supreme Court on Wednesday acknowledged the problems caused by sale of alcohol in tetra packs, deceptively labelled as 'green apple vodka' or 'Chelly Mango Vodka', and agreed to examine an anti-drunken driving NGO's plea for standardization of excise policy for packaging and bottling of liquor across states. Appearing for petitioner NGO 'campaign against drunken driving' (CADD), advocate Vipin Nair told a bench of Chief Justice Surya Kant and Justices Joymalya Bagchi and Vipul M Pancholi that such deceptive sale of liquor in tetra packs, portable bottles and sachets increase the risk of under-age drinking and drunken driving. The CJI-led bench said the problem is the 'very deceptive' packaging which may create a misconception that these packs contained fruit juice. Nair said that the excise departments across India must follow a uniform policy and standardize the packaging of liquor. The bench responses of all states and UTs to the PIL.

"These packages pose various risks, including consumption by juveniles, drinking in a moving vehicle, health risks, increased ease of smuggling, ease of public consumption, and environmental risks.

Moreover, the tetra packs have attractive packaging with vivid colours but do not have prominent health warnings like in the case of cigarettes, which would dissuade people from drunken driving and responsible drinking," the NGO said.

# 'Bombs its own people': India slams Pakistan at UNSC, flags 'long-tainted record of genocidal acts'

**NEW DELHI, Agency**: India has strongly criticised Pakistan at the United Nations Security Council (UNSC), accusing it of a long record of violence against civilians and citing recent incidents in Afghanistan linked to Pakistani military action.

Speaking at the Annual UNSC Open Debate on 'Protection of civilians in armed conflict', India's Permanent Representative to the UN, Harish Parvathaneni, referred to findings by the United Nations Assistance Mission in Afghanistan (UNAMA) regarding civilian casualties caused by cross-border violence.

"It is ironic that Pakistan, with its long-tainted record of genocidal acts, has chosen to refer to issues that are strictly internal to India. The United Nations Assistance Mission in Afghanistan has reported that in the first three months of 2026, 750 civilian deaths and injuries were documented in Afghanistan as a result of cross-border armed violence perpetrated by Pakistani military forces, most of which occurred due to air strikes," he said.

Parvathaneni further alleged that Pakistan carried out an airstrike on the Omid Addiction Treatment Hospital in Kabul during the month of Ramadan.

"The UNAMA documentation attributed 94 of 95 incidents of civilian causalities to Pakistani Security forces. The world has not forgotten that it was during the holy month of Ramadan in March this year, at a time of peace, reflection, and mercy, that Pakistan conducted a barbaric airstrike on the Omid Addiction Treatment Hospital in Kabul. Again, according to UNAMA, this cowardly and unconscionable act of violence claimed the lives of 269 civilians and injured a further 122 in a facility which can by no means be justified as a military target," he said.The Indian envoy accused Pakistan of ignoring international humanitarian obligations and targeting civilians. "It is hypocritical to espouse high principles of international law while targeting innocent civilians in the dark. The air strikes by Pakistan occurred at the conclusion of tarawih evening prayers, when numerous patients were leaving the masjid, as per UNAMA," he said.

Referring to remarks made earlier by the UN Secretary-General on protecting civilians,

Parvathaneni said Pakistan had failed to follow those appeals."It bears emphasis that the UN Secretary General called on member states to uphold their international obligations in relation to protection of civilians, including the principle of non-refoulement in the context of Afghanistan.